हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 110 | जौनपुर, सोमवार 15 जनवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

सीएम योगी ने अयोध्या को दी ईवी की सौगात, बोले आने वाले श्रद्धालुओं को मिलेंगी अच्छी सुविधाएं

अयोध्या (एजेन्सी)। अयोध्या धाम में नवनिर्मित मंदिर में भगवान श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने ई वाहनों (50 इलेक्ट्रिक बसों एवं 25 ई ऑटो) का फ्लैग ऑफ कर अयोध्यावासियों को उपहार दिया। साथ ही मुख्यमंत्री ने डिजिटल टूरिस्ट एप के साथ ही अयोध्या पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट को भी लॉन्च किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अयोध्या धाम में श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पूर्व आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट की बेहतरीन सुविधा उपलब्ध हो सके, इस उद्देश्य से अयोध्या नगर निगम और अयोध्या सिटी में ई–बसों एवं ई–ऑटो के शुभारंभ व टूरिज्म सेंट्रिक मोबाइल एप और अयोध्या पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी की तिथि भारत की श्रद्धा और आस्था को सम्मान देने की तिथि है व भारत के स्वाभिमान और सम्मान को पुनर्स्थापित करने की भी पावन तिथि है। जब प्रभु श्रीराम 500 वर्षों के बाद अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे तो न केवल अयोध्या धाम में बल्कि पूरे देश और प्रदेश में रामराज्य की स्थापना का जो कार्य 2014 में प्रारंभ हुआ था, इसे मूर्त रूप प्रदान करते हुए यशस्वी भविष्य की कामना के साथ हमें उनका आशीर्वाद प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि स्वाभाविक रूप से इस पौराणिक और ऐतिहासिक तिथि को आने वाले श्रद्धालुओं, भक्तों, आस्थावान यात्रियों और पर्यटकों की सुविधा के लिए अयोध्या सज धज रही है। यहां इंफ्रास्ट्रक्चर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 दिसंबर 2023 को किया है। क्या कोई सोचता था कि अयोध्या में इतनी शानदार सड़कें होंगी। आज आप अयोध्या में राम पथ, भक्ति पथ, धर्म पथ, जन्मभूमि पथ को देखेंगे तो हर कोई अभिभूत होगा। मल्टीलेवल पार्किंग, गुप्तार घाट से लेकर रामजी की पैड़ी और नए घाट तक के घाटों का निर्माण, सूरजकुंड, भरतकुंड इन सबके सौंदर्यीकरण के कार्यक्रम को देखेगा तो हर कोई अभिभूत हो जाएगा। उसी श्रंखला में आने वाले श्रद्धालुओं की अवस्थापना सुविधाओं के लिए अच्छे यात्री निवास, धर्मशालाओं का निर्माण, अच्छे होटल, टेंट सिटी भी बन रही है या बन चुकी है। आने वाले यात्रियों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए इलेक्ट्रिक बसें, ई ऑटो और अन्य सुविधाएं यहां पर प्रारंभ हो रही हैं। यही नहीं, डिजिटल टूरिस्ट एप के द्वारा कोई भी आने वाला श्रद्धालु अयोध्या के हर स्पॉट का अवलोकन कर सके और अयोध्या को नजदीक से निहार सके, इस दृष्टि से भी इस कार्यक्रम को आज यहां संपन्न किया गया है। सीएम योगी ने अयोध्यावासियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस अवसर पर मैं सभी अयोध्यावासियों को बधाई और मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देता हूं। आने वाले सभी श्रद्धालुजनों के लिए अभी से उनका अग्रिम अभिनंदन करते हुए सभी अयोध्यावासियों का अभिवादन करता हूं। हजारों वर्षों बाद यह अवसर आता है,।

मिलिंद देवड़ा ने थामा शिवसेना का दामन

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस पार्टी के पूर्व सांसद और नेता मिलिंद देवड़ा ने रविवार को शिवसेना का दामन थाम लिया है। मिलिंद देवड़ा ने रविवार की सुबह ही कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दिया था। इसके बाद से ही अटकल ही लगाई जा रही थी कि मिलिंद शिवसेना ज्वाइन कर सकते हैं, जो अब सच साबित हो गई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई में पूर्व कांग्रेस नेता को पार्टी में शामिल करवाया। इससे पहले सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर पूर्व कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा ने जानकारी दी थी कि वह अपनी राजनीतिक यात्रा के अहम अध्याय का अंत करने जा रहे हैं। उन्होंने बताया था कि मैं कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। कांग्रेस पार्टी से अपने परिवार के 55 साल पुराने रिश्ते का भी यही अंत हो रहा है। सभी नेताओं, सहयोगियों और पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्थन के लिए शुक्रगुजार हूं। मिलिंद देवड़ा के कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देने के बाद यह प्रयास लगाए जा रहे थे कि वह एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो सकते हैं।

समारोह के बाद परिवार संग करेंगे अयोध्या दर्शन

लखनऊ (एजेन्सी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार रात कहा कि वह अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद सपरिवार दर्शनार्थी बनकर अवश्य जाएंगे। सपा प्रमुख यादव ने शनिवार रात सोशल मीडिया मंच एक्ध्स पर चंपत राय को लिखे एक पत्र को साझा किया है, जिसकी शुरुआत में उन्ह्होंने कहा, ''आदरणीय श्री चंपत राय जी, महासचिव, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या'' संबोधन के साथ लिखा है, ''श्री राम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के स्नेह निमंत्रण के लिए धन्यवाद एवं समारोह के सकुशल संपन्न होने की हार्दिक शुभकामनाएं।'' इस पत्र में सपा प्रमुख ने कहा, ''हम प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पश्चात सपिरवार दर्शनार्थी बनकर अवश्य आएंगे। आज प्राप्ध्त निमंत्रण के लिए पुनः धन्यवाद।

पीएम मोदी पर बरसे जयराम रमेश

इंफाल (एजेन्सी)। कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू होने से पहले हेडलाइन मैनेजमेंट के मकसद से मिलिंद देवरा का इस्तीफा आज के लिए तय किया, लेकिन इसका कोई असर नहीं होगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि एक मिलिंद जाता है तो लाखों मिलिंद हैं जो कांग्रेस के संगठन और विचारधारा में विश्वास करते हैं। उन्होंने दावा किया कि गत शुक्रवार को ही उनकी देवरा के साथ फोन पर बात हुई थी और वह राहुल गांधी से मिलना चाहते थे क्योंकि वह अपनी पूर्व की लोकसभा सीट (दक्षिण मुंबई) को लेकर चिंतित थे। दक्षिण मुंबई से शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत सांसद हैं। देवरा ने रविवार को भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

मिलिंद देवड़ा ने दिया कांग्रेस से इस्तीफा

नई दिल्ली मुंबई (एजेन्सी)। कांग्रेस पार्टी की न्याय यात्रा की शुरुआत होने से पहले ही पार्टी नेता मिलिंद देवरा ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इसकी जानकारी मिलिंद देवरा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दी है। दक्षिण मुंबई सीट से लोकसभा के पूर्व सदस्य देवरा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर रविवार को लिखा, ''आज मेरी राजनीतिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण अध्याय का समापन हुआ। मैंने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और इसी के साथ पार्टी से मेरे परिवार का 55 साल पुराना रिश्ता खत्म हो गया है। मैं वर्षों तक अटूट समर्थन देने के लिए सभी नेताओं, सहकर्मियों और कार्यकर्ताओं का आभारी हूं।

हम सब ने ठाना है स्वच्छ अयोध्या बनाना है , के नारों के बीच सीएम ने झाड़ू लगाई

अयोध्या (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अयोध्या में लता मंगेशकर चौक पर स्वच्छ तीर्थ अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने स्वच्छता अभियान के लिए आई नगर निगम की सफाई गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद लता चौक पर सफाई अभियान चलाया। उन्होंने न सिर्फ झाड़ू लगाई बल्कि अपने हाथ से कूड़ा करकट उठाकर डस्टबिन में डाला और अयोध्या के लिए स्वच्छता का संदेश दिया। स्वच्छता अभियान में जनता अवध इंटर कॉलेज, शिवदयाल जायसवाल इंटर कॉलेज, महाराजा इंटर कॉलेज और महाराजा पब्लिक स्कूल के 400 बच्चे भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री योगी ने स्कूली बच्चों और सफाईकर्मियों से भी बात की और उनसे कहा कि अयोध्या को साफसुथरा बनाने में आप सबको आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभानी होगी। इस दौरान सांसद लल्लू सिंह, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को अयोध्या पहुंचे जहां वह प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारियों का भी जायजा लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता से के सभी तीर्थों को साफ रखने की अपील की थी और खुद भी पंचवटी में साफसफाई की थी। मुख्यमंत्री योगी ने हरी झंडी दिखाकर सफाई गाड़ियों को रवाना किया। यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को लखनऊ के बालकेश्वर हनुमान मंदिर में साफसफाई की और स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्स्वच्छ मोहल्ला, स्वच्छ ग्राम, अयोध्या धाम, जय श्रीरामश का नारा दिया था और देश के लोगों से स्वच्छता अभियान में भाग लेने की अपील की थी।

सोनल सिंह प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में लिखेंगी 11000 बार राम नाम

न्यूयॉर्क में रह रहीं सोनल सिंह बेशक 'रामलला' की ऐतिहासिक 'प्राण प्रतिष्ठा' देखने के लिए अयोध्या में मौजूद नहीं होंगी लेकिन वह निराश नहीं हैं

नई दिल्ली (एजेन्सी)। न्यूयॉर्क में रह रहीं 38 वर्षीय सोनल सिंह बेशक 'रामलला' की ऐतिहासिक 'प्राण प्रतिष्ठा' देखने के लिए अयोध्या में मौजूद नहीं होंगी लेकिन वह निराश नहीं हैं, उनके पूर्वज अपनी उत्पत्ति इस मंदिर नगरी से ही मानते हैं और सोनल का मानना है कि भगवान राम एक आदर्श हैं जो केवल अयोध्या या भारत तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि पूरे ब्रह्मांड के स्वामी हैं। सोनल सिंह एक सॉफ्टवेयर सलाहकार हैं और आध्यात्म में उनका पूरा रुझान है। वह अभी प्रयागराज के संगम क्षेत्र में अक्षय वट मार्ग पर 'राम नाम बैंक' के माघ मेला शिविर में हैं। उनका मानना है कि ''राम केवल एक नाम नहीं है, बल्कि एक (ऊर्जात्मक) शब्द है, जो सकारात्मक कंपन पैदा करता है और एक दिव्य शक्ति हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा पैदा करती है। सिंह ने संगम क्षेत्र से 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''भगवान राम केवल एक प्रतीक नहीं हैं जो अयोध्या या भारत तक ही सीमित हैं। वास्तव में, उनकी आभा दुनिया भर में फैली हुई है। वह पूरी मानवता के लिए एक प्रतीक हैं। वह 'ब्रह्मांड नायक' (संपूर्ण ब्रह्मांड के स्वामी) हैं। वह इस धरती पर हर एक सभ्य व्यक्ति के लिए आदर्श हैं। इसलिए, उन्हें 'मर्यादा पुरुषोत्तम' भी कहा जाता है।'' उन्होंने कहा, ''भगवान राम के नाम का एक बार जाप करना भगवान विष्णु का नाम 1,000 बार लेने के बराबर है और अगर आप सिर्फ अपने दिल की गहराइयों से राम–राम का जाप करते हैं, तो आप अवचेतन रूप से भगवान राम को उस आवृत्ति और लय में प्राप्त कर लेते हैं। न्यूयॉर्क की 38 वर्षीय निवासी सोनल ने यह भी कहा, ''पूर्वजों के बारे में बात करूं तो मैं अयोध्या से हूं। मेरे दादा राम लखन सिंह हमारे परिवार में अयोध्या में रहने वाले आखिरी व्यक्ति थे। मैं करीब 10 साल से भारत से बाहर हूं।'' उन्ह्होंने कहा, ''मैं करीब 20 वर्षों से राम नाम बैंक से जुड़ी हूं। मैं नई पीढ़ी को हमारी संस्कृति और पश्चिम में रहने वाली नई पीढ़ी के प्रति पैदा हुई खाई के बारे में जागरूक करने पर काम करती हूं।'' यह पूछे जाने पर कि वह आगामी अभिषेक समारोह को कैसे देखती हैं, इस पर सिंह ने कहा, ''यह भारत के बाहर रहने वाले, सनातन धर्म में विश्वास करने वाले और रामायण का पालन करने वाले हर एक व्यक्ति के लिए एक बड़ा एकजुट कारक बनने जा रहा है। मेरे ऐसे दोस्त हैं जो कभी भारत नहीं आए हैं। लेकिन अब देश के आध्यात्मिक पक्ष के प्रति उनकी जिज्ञासा काफी बढ़ गई है। जो राम मंदिर बन रहा है, वह उस संपूर्ण सभ्यता और आध्यात्मिक मूल्यों को दृश्यता दे रहा है जो बहुत समय पहले लुप्त हो गए थे। भगवान राम की प्रबल भक्त, सोनल सिंह ने लगभग 10 लाख से अधिक बार भगवान राम का नाम लिखा है।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के साथ ही कांग्रेस पार्टी को लगा दोहरा झटका

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस पार्टी ने राहुल गांधी के नेतृत्व में 14 जनवरी से भारत जोड़ो ने यात्रा की शुरुआत मणिपुर से की है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत होने से पहले रविवार को कांग्रेस पार्टी को दोहरा झटका लग गया है। पहले महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता मिलिंद देवड़ा ने रविवार की सुबह अपना इस्तीफा दे दिया और पार्टी की सदस्यता छोड़ दी। इसके बाद दोपहर में असम में एक दशक से अधिक समय तक पार्टी में रहे अपूर्व भट्टाचार्य ने भी कांग्रेस के सचिव पद से इस्तीफा दिया है। कांग्रेस पार्टी के दो बड़े नेताओं ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से पहले इस्तीफा दिया है जिसे पार्टी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। बता दें कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा असम के 17 जिलों से होकर गुजरेगी और महाराष्ट्र में इसका समापन होगा। गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी को असम में लगातार परेशानियां का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस पार्टी की कई बड़े नेता भाजपा का दामन थाम चुके हैं। बीते वर्ष नवंबर में भी असम कांग्रेस के दो नेताओं ने पार्टी छोड़कर बीजेपी ज्वाइन की थी। कांग्रेस पार्टी को एक ही दिन में दूसरी बार झटका लगा है।

हरियाणा-पंजाब में भीषण ठंड और कोहरे की चेतावनी, छाया रहेगा कोहरा

मौसम विभाग ने दिल्ली में अगले तीन दिनों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है अगले दो दिनों तक शीत लहर चलने की चेतावनी जारी की

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में शीत लहर चल रही है। रविवार सुबह दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब में घना कोहरा छाया। जिसके चलते सड़क से लेकर आसमान तक यातायात प्रभावित हुआ है। उत्तर–पश्चिमी दिशाओं से चल रही बर्फीली हवाओं से पारा लगातार गिर रहा है। मौसम विभाग ने राजधानी में अगले तीन दिनों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। घने कोहरे के कारण देश के विभिन्न हिस्सों से दिल्ली आने वाली 22 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार सर्दी के इस सीजन में पहली बार राजस्थान के गंगानगर, पंजाब के पटियाला और चंडीगढ़, हरियाणा के अंबाला, दिल्ली के पालम और सफदरजंग, यूपी के बरेली, लखनऊ, बहराईच, वाराणसी, प्रयागराज और तेजपुर (असम) में शून्य मीटर दृश्यता दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने दिल्ली में अगले तीन दिनों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। साथ ही अगले दो दिनों तक शीत लहर चलने की चेतावनी जारी की है। जबकि पूरे सप्ताह सुबह के समय कोहरा छाए रहने का अनुमान है। दिन में बादल छाए रहने से रात का तापमान मामूली बढ़ सकता है। अनुमान है कि 11 जनवरी तक न्यूनतम तापमान बढ़कर सात डिग्री तक पहुंच सकता है। जबकि अधिकतम तापमान स्थिर रहने का अनुमान है। हरियाणा पंजाब और चंडीगढ़ में भीषण ठंड का कर आने वाले दिनों में जारी रहने वाला है। आम जनता को ठंड से जल्दी राहत मिलने की उम्मीद नहीं दिख रही है। एक तरफ हरियाणा में कोहरे से थोड़ी राहत मिली है लेकिन तेज हवाओं ने ठिठुरन और अधिक बढ़ाई है। आने वाले दो दिनों के लिए मौसम विभाग ने हरियाणा पंजाब और चंडीगढ़ के लिए पाला जमने का अलर्ट भी जारी किया है। वही हरियाणा में मौसम का तापमान इतना नीचे आ चुका है जो जम्मू और शिमला से भी काम हो गया है। रविवार को हरियाणा और पंजाब शीत लहर की चपेट में आ गए है। हरियाणा और पंजाब में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे चला गया। हरियाणा के 17 जिलों के लिए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान घनी धुंध रहने की संभावना है और विजिबिलिटी भी काफी कम हो सकती है। वहीं पंजाब की 16 जिलों के लिए मौसम विभाग ने फॉग की चेतावनी जारी की है। पंजाब में विजिबिलिटी इस दौरान 50 मीटर तक रह सकती है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब के शहीद भगत सिंह नगर जिले के बल्लोवाल सौंखरी में तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पंजाब और हरियाणा में कई स्थानों पर घना कोहरा छाया रहा।

मिलिंद देवड़ा की शिवसेना में एंट्री पर पहली बार बोले शिंदे कहा- मुझे जानकारी नहीं

महाराष्ट (एजेन्सी)। कांग्रेस के पूर्व सांसद और नेता मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस पार्टी को अलविदा कह दिया है। महाराष्ट्र कांग्रेस के दिग्गज नेता ने रविवार सुबह सोशल मीडिया पोस्ट पर अपना इस्तीफा दिए जाने की जानकारी साझा की है। मिलिंद देवड़ा द्वारा इसी पर दिए जाने के बाद कहा जा रहा था कि वह शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं। मलिंद देवड़ा के शिंदे गुट वाली शिवसेना में शामिल होने से पहले ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का बड़ा बयान सामने आया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मीडिया को बताया कि मुझे ऐसा सुनने को मिल रहा है कि मिलिंद देवड़ा पार्टी में शामिल हो रहे हैं लेकिन इस बारे में अब तक कोई चर्चा नहीं हुई है। अगर वह पार्टी में शामिल होंगे तो मैं उनका स्वागत करता हूं। शिंदे ने कहा, ''मैंने उनके फैसले के बारे में सुना है। अगर वह पार्टी में शामिल हो रहे हैं तो मैं उनका स्वागत करूंगा।'' बता दें कि एकनाथ शिंदे नहीं है बयान उसे समय दिया जब वह पार्टी नेता रामदास कदम से मिलने उनके आवास पहुंचे थे। बता दे की रामदास कदम की स्थिति ठीक नहीं है इसलिए एकनाथ शिंदे उनसे मुलाकात करने पहुंचे थे। वहीं कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा ने मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद दर्शन किए हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा की हुई शुरुआत

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के जरिए कांग्रेस पार्टी बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक न्याय से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करेगी

मणिपुर (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में रविवार 14 जनवरी से भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत हुई जो कि मणिपुर से निकाली । भारत जोड़ो न्याय यात्रा के जरिए कांग्रेस पार्टी बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक न्याय से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करेगी। इस यात्रा की शुरुआत 14 जनवरी को मणिपुर की राजधानी इंफाल के निकट थोबल से की गई। मार्च के तीसरे सप्ताह में मुंबई में इस यात्रा को खत्म किया जाएगा। बता दे कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 14 जनवरी को इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस भारत जोडो न्याय यात्रा के संबंध में कांग्रेस पार्टी ने बयान दिया था कि ये भारत जोड़ो न्याय यात्रा चुनावी नहीं बल्कि वैचारिक यात्रा है। इसके जरिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के बीते 10 वर्षों के ''अन्याय काल'' के खिलाफ आवाज उठाई जा रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यात्रा की शुरुआत से एक दिन पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा था कि आज देश के सामने एक ऐसी विचारधारा की चुनौती है जो ध्रुवीकरण, अमीरों को और अमीर बनाने तथा राजनीतिक तानाशाही में विश्वास करती है। जय राम रमेश ने कहा कि मणिपुर प्रशासन ने यात्रा को लेकर कई शर्ते रखी हैं और पार्टी उनका पालन करेगा। भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू करने से पहले राहुल गांधी थोबल में खोंगजोम युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे। यह एक ऐतिहासिक स्मारक है, जिसका उद्घाटन 2016 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने किया था। यात्रा के दौरान राहुल गांधी हर दिन दो सभाओं को संबोधित करेंगे। इसके अलावा, वह हर दिन समाज के विभिन्न वर्गों के 20 से 25 लोगों से मिलेंगे। वह सामाजिक संगठनों के सदस्यों के साथ भी बातचीत करेंगे। अगले 11 दिन के दौरान यात्रा पूर्वोत्तर भारत के पांच राज्यों से होकर गुजरेगी। राहुल गांधी 23 जनवरी को घोषणापत्र के सिलसिले में गुवाहाटी में लोगों से जनसंवाद करेंगे। कांग्रेस ने इस यात्रा के लिए विपक्षी गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस) के अपने सहयोगी दलों के नेताओं को भी आमंत्रित किया है और उसे उम्मीद है कि विभिन्न राज्यों में इस गठबंधन से जुड़े दलों के प्रमुख नेता यात्रा का हिस्सा बनेंगे। कांग्रेस ने बताया कि लोकसभा चुनाव से पहले निकाली जा रही यह यात्रा 67 दिन में 15 राज्यों और 110 जिलों से होकर गुजरेगी।

दिल्ली में सोमवार (आज) से खुलेंगे स्कूल, समय में सरकार ने किया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भीषण खंड के कारण स्कूल बंद किए गए थे जो अब सोमवार 15 जनवरी से खुलने जा रहे हैं। दिल्ली में सोमवार से फिजिकल स्कूल शुरू हो जाएंगे। इसी के साथ दिल्ली के स्कूलों में विंटर वेकेशन 14 जनवरी को खत्म हो गया है। हालांकि दिल्ली में बढ़ती ठंड और मौसम की स्थिति को देखते हुए दिल्ली के शिक्षा विभाग ने बड़ा फैसला किया है। दिल्ली में ठंड और कोहरे की स्थिति को मध्य नजर रखते हुए शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों में कक्षाओं के समय में बड़ा बदलाव किया है। इस संबंध में रविवार को शिक्षा विभाग ने एक आदेश जारी किया। इस आदेश के मुताबिक दिल्ली में सुबह नौ बजे से पहले कोई कक्षा शुरू नहीं होगी। इसके साथ ही शाम पांच बजे के बाद भी कोई कक्षा नहीं चलाई जाएगी। आदेश के अनुसार सभी टीचिंग और नॉन टीचिंग कर्मचारियों को आम दिनों की तरह ही ड्यूटी पर आना होगा। दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग ने इस संबंध में एक नोटिफिकेशन जारी किया है जिसमें कहा गया है कि सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों के सभी छात्रों को सोमवार से स्कूलों में जाना होगा।

सम्पादकीय

रामजन्मभूमि आंदोलन भारत के इतिहास में एक निर्णायक और परिणामकारी घटना सिद्ध हुई

मैं शब्दातीत प्रफुल्लित हूँ कि हम श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में एक भव्य श्रीराम मंदिर बनाने के मेरे सबसे प्रिय सपने को साकार होता देखने वाले हैं। 22 जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी अयोध्या के दिव्य मंदिर में श्रीराम के विग्रह की प्राण–प्रतिष्ठा करेंगे। मैं धन्य हूँ कि मैं अपने जीवनकाल में इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनूँगा। मेरा सदैव मानना रहा है कि एक सार्थक जीवन और समाज, दोनों की ही नींव आस्था पर टिकी होती है। आस्था व्यक्ति के जीवन में न केवल ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करती है, बल्कि उसे दिशा देने में भी सहायक होती है। मेरे लिए और करोड़ों भारतीयों के लिए, यही आस्था श्रीराम के प्रति हमारी अगाध श्रद्धा रही है। श्रीराम भारत की आत्मा के प्रतीक है। भारत और भारतीयता की सच्ची आत्मा अनुशासन, सच्चाई, सत्यनिष्ठा, नैतिकता, नैतिक मूल्य, विविधता को स्वीकार करना और उस पर गर्व करना, बड़ों के प्रति सम्मान, सुदृढ़ पारिवारिक संबंध और ऐसे सभी उत्कृष्ट मानवीय मूल्य हैय श्रीराम इन सभी निष्कलंक मानवीय गुणों के प्रतीक हैं। इसीलिए उन्हें श्मर्यादा पुरुषोत्तमश कहा जाता है। वे भारतीयों की उच्च मूल्यों का जीवन जीने की आकांक्षा के एक आदर्श हैं। श्रीराम एक आदर्श राजा भी थे श्धर्मश के जीवंत अवतार। इसलिए सुशासन के प्रतीक श्रामराज्यश की अवधारणा को भारत के लिए आदर्श के रूप में प्रचारित किया गया। यद्यपि श्रीराम हिंदुओं के लिए पूजनीय पवित्र धार्मिक विभूति हैं, साथ ही वे भारत की उस सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय पहचान के भी एक प्रमुख प्रतीक हैं, जो समान रूप से प्रत्येक नागरिक की धरोहर है। श्रीराम के जीवन की कहानी, श्रामायणश, भारत की सांस्कृतिक परंपराओं की निरंतरता का स्रोत और वाहक दोनों है और इसने शताब्दियों से पीढ़ी–दर–पीढ़ी, भारतीय मानस को बहुत प्रभावित किया है। इसलिए पिछले लगभग 500 वर्षों से, कोटि–कोटि भारतीयों की हार्दिक इच्छा रही है कि अयोध्या में श्री राम मंदिर का पुनर्निर्माण हो। अयोध्या में श्रीराम की जन्मभूमि पर मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए किया गया श्रामजन्मभूमि आंदोलनश 1947 के बाद के भारत के इतिहास में एक निर्णायक और परिणामकारी घटना सिद्ध हुई। हमारे समाज, राजनीति तथा राष्ट्रीय पहचान की भावना पर इसका गहरा प्रभाव रहा है। मैंने सदैव कहा है कि मेरी राजनीतिक यात्रा में अयोध्या आंदोलन सबसे निर्णायक परिवर्तनकारी घटना थी, जिसने मुझे भारत को पुनः जानने और इस प्रक्रिया में अपने आप को भी फिर से समझने का अवसर दिया। मैं विनम्रता से कहता हूँ कि नियति ने मुझे 1990 में सोमनाथ से अयोध्या तक श्रीराम रथयात्रा के रूप में एक महत्त्वपूर्ण कर्तव्य निभाने का अवसर दिया। मेरा मानना है कि कोई भी घटना अंततः वास्तविकता में घटित होने से पहले व्यक्ति के मन–मस्तिष्क में आकार लेती है। उस समय मुझे लग रहा था कि नियति ने यह निश्चित कर लिया है कि एक दिन अयोध्या में श्रीराम का एक भव्य मंदिर अवश्य बनेगारू बस अब केवल समय की बात है। रामजन्मभूमि पर श्रीराम का एक भव्य मंदिर बनना भारतीय जनता पार्टी की प्रबल इच्छा और दृढ़ संकल्प रहा है। 1980 के दशक के मध्य में जब अयोध्या मुद्दा राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया, तो मुझे वह समय याद आया कि कैसे महात्मा गांधी, सरदार पटेल, राजेंद्र प्रसाद और के.एम. मुंशी जैसे राजनीतिक दिग्गजों के प्रभावी नेतृत्व द्वारा, सभी बाधाओं के बाद भी, स्वतंत्र भारत में एक और ऐतिहासिक मंदिर (गुजरात में सौराष्ट्र के तट पर प्रभासपाटन में सोमनाथ मंदिर) के पुनर्निर्माण का पथ प्रशस्त किया था। मध्य काल में सोमनाथ अनेक विदेशी आक्रांताओं के निशाने पर रहा और उनके आक्रमणों का साक्षी भी रहा, तथा सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण अपने खोए सांस्कृतिक गौरव को वापस पाने और ध र्मांध विदेशी आक्रांताओं के इतिहास को मिटाने के भारत के दृढ़ संकल्प का एक गौरवपूर्ण प्रमाण है। दुखद है कि सोमनाथ के समान ही, अयोध या में श्रीराम के जन्मस्थान पर बना मंदिर भी मुगल साम्राज्य की स्थापना करने वाले आक्रमणकारी बाबर के हमले का निशाना बन गया था। 1528 में बाबर ने अपने कमांडर मीर बाकी को अयोध्या में एक मस्जिद बनाने का आदेश दिया, ताकि उस स्थान को श्फरिश्तों के अवतरण का स्थान बनाया जा सके, इसलिए इसका नाम बाबरी मस्जिद पड़ा। यह सभी मानते हैं और बाद में पुरातात्त्विक साक्ष्यों से इसकी पुष्टि भी हो गई कि अयोध या में पहले से ही एक मंदिर था, जिसे मस्जिद की स्थापना के लिए ध वस्त कर दिया गया था। इस कारण, कई अर्थों में अयोध्या आंदोलन ने सोमनाथ की भावना को ही आगे बढ़ाया। 1990 में जब भाजपा ने निर्णय लिया कि पार्टी अध्यक्ष के रूप में मुझे अयोध्या आंदोलन के लिए जनसमर्थन जुटाने के उद्देश्य से श्रीराम रथयात्रा का नेतृत्व करना चाहिए, तो मैंने स्वाभाविक ही इस ऐतिहासिक यात्रा के आरंभिक स्थल के रूप में सोमनाथ को चुना।

श्रीराम के निमंत्रण को ठुकरा कर कांग्रेस ने राजनीतिक अपरिपक्वता का परिचय दिया है

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और अधीर रंजन चौधरी एवं इंडिया गठबंधन के अन्य दलों ने शामिल नहीं होने का निर्णय लेकर जहां अपनी राजनीतिक अपरिपक्वता का परिचय दिया है, वहीं भारत के असंख्य लोगों की आस्था एवं विश्वास को भी किनारे करते हुए आराध्य देव भगवान श्रीराम को राजनीतिक रंग देने की कुचेष्ठा की है। भले ही यह भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वर्चस्व का अनुष्ठान है, लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रतिष्ठा देते हुए कांग्रेस को ऐसे राजनीतिक निर्णय लेने से दूर रहते हुए समारोह में भाग लेना चाहिए था। राम मंदिर के निमंत्रण को ठुकराना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और आत्मघाती फैसला है। ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस ने खुद अपनी जमीन को खोखला करने की ठान रखी है। विनाशकाले विपरीत बुद्धि! निश्चित ही कांग्रेस अब भारत की बहुसंख्यक जनता की भावनाओं को नकार रही है, वह राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक वास्तविकताओं और भावनाओं से पूरी तरह से कट गई है। इन दिनों कांग्रेस की ओर से लिए जा रहे हर फैसले भारत विरोधी शक्तियों को बल देने, कुछ वामपंथी चरमपंथियों को बढ़ावा देने, जातीयता एवं साम्प्रदायिकता की राजनीति को कायम रखने और शीर्ष पर बैठे नेताओं के आसपास के कुछ कट्टरपंथी अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए है। कांग्रेस ने पिछले कुछ दशकों में अयोध्या में मंदिर के लिए कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया जो भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकार देने का ही द्योतक है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम केवल हिन्दुओं का ही नहीं बल्कि राष्ट्र का उत्सव है। साथ ही देश के सांस्कृतिक और आध यात्मिक गौरव का महा–अनुष्ठान है। बाबर से लेकर औरंगजेब तक सभी मुगल आक्रांताओं ने तलवार के बल पर हिन्दुओं का धर्म परिवर्तन ही नहीं कराया बल्कि हिन्दु मन्दिरों एवं आस्था के केन्द्रों को ध्वस्त किया था। श्रीराम जन्मभूमि, श्रीकृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ धाम को भी नहीं छोड़ा गया और हजारों मंदिरों कोध्ध्वस्त कर उनके स्थान पर मस्जिदें बनवा दीं गयी। आजादी के बाद इस गौरवमय धार्मिक एवं सांस्कृतिक इतिहास को पुनर्निर्मित करने का काम होना चाहिए था लेकिन कांग्रेस शासन ने संकीर्ण एवं स्वार्थ की राजनीति के कारण ऐसा नहीं होने दिया। आज भाजपा अपनी राष्ट्रीय अस्मिता एवं ऐतिहासिक भूलों को सुधारने काम कर रही है तो उसे राजनीतिक रंग देना मानसिक दिवालियापन एवं राष्ट्र–विरोधी सोच है। श्रीराम मंदिर राजनीति का विषय नहीं है बल्कि आस्था का विषय है। आस्था हर व्यक्ति की अस्मिता से जुड़ा प्रश्न है। राम लला साढ़े पांच सौ वर्षों से इसका इंतजार कर रहे थे। अब वह समय आ गया है, भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हो चुका है और आगामी 22 जनवरी का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस दिन राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उपस्थित रहेंगे। श्रीराम भारतीय समाज के आदर्श पुरुष रहे हैं, भारत की राजनीति के लिये वे प्रेरणास्रोत हैं, उन्हें केवल भाजपा या आरएसएस का बताने वाले भारत की जनआस्था से स्वयं को ही दूर कर रहे हैं, स्वयं को हिन्दू विरोध ी एवं राम–विरोधी होने का आधार ही मजबूत किया है। अच्छा होता निमंत्रण ठुकराने की बजाय इस समारोह में उपस्थित होकर श्रीराम के प्रति एवं असंख्य लोगों की आस्था का सम्मान करते। इस तरह एक जीवंत परम्परा को झुठलाने एवं ठुकराने के निश्चित ही आत्मघाती दुष्परिणाम होंगे।

दो आइडिया, और बदल गया भारत का इतिहास

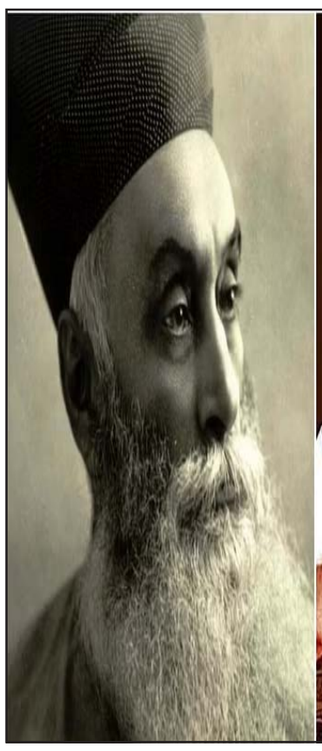

बहरहाल, भाषण के अलावा विवेकानंद कई रूपों में भी याद किए जाते हैं। पिछले साल विवेकानंद के शिकागो में दिए भाषण को 125 साल होने पर पीएम मोदी ने भी याद किया गया। आइए जानते हैं क्या थी वह घटना जिसका जिक्र मीडिया में चर्चा में आ गया था। दरअसल, ये बात 1893 की है, जब विवेकानंदजी वर्ल्ड रिलीजन कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए अमेरिका जा रहे थे और उसी शिप 'एसएस इम्प्रेस ऑफ इंडिया'पर सवार थे, जमशेदजी टाटा। शिप बेंकूवर जा रहा था। वहां से विवेकानंद को शिकागो के लिए ट्रेन लेनी थी। उस वक्त तीस साल के युवा थे विवेकानंद और 54 साल के थे जमशेदजी टाटा, उम्र में इतने फर्क के बावजूद दोनों ने काफी समय साथ गुजारा। इस शिप यात्रा के दौरान कई मुद्दों पर स्वामी विवेकानंद और जमशेदजी टाटा में चर्चा हुई। टाटा ने बताया कि वो भारत में स्टील इंडस्ट्री लाना चाहते हैं। तब स्वामी विवेकानंद ने उन्हें सुझाव दिया कि टेक्नोलघॅजी ट्रांसफर करेंगे तो भारत किसी पर निर्भर नहीं रहेगा, युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। तब टाटा ने ब्रिटेन के इंडस्ट्रियलिस्ट से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की बात की, लेकिन उन्होंने ये कहकर मना कर दिया कि फिर तो भारत वाले हमारी इंडस्ट्री को खा जाएंगे। तब टाटा अमेरिका गए और वहां के लोगों से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का भी समझौता किया।

विष्णु शर्मा

पीएम मोदी ने स्वामी विवेकानंदजी के शिकागो भाषण की 125वीं सालगिरह पर एक कार्यक्रम में जिक्र किया था कि कैसे विवेकानंदजी ने मेक इन इंडिया का आव्हान करते हुए जमशेदजी टाटा को इसके लिए प्रेरणा दी थी। आज विवेकानंद के दिए ऐतिहासिक भाषण को 126 साल हो गए हैं। विवेकानंद के इस भाषण की पूरी दुनिया दीवानी हो गई थी। यही वह भाषण था जिसने भारत की दार्शनिक मेधा, गूढ़ हिंदू धर्म को संक्षिप्त रूप से लेकिन प्रभावी तरीके से पूरी दुनिया के सामने पहुंचाया था। बहरहाल, भाषण के अलावा विवेकानंद कई रूपों में भी याद किए जाते हैं। पिछले साल विवेकानंद के शिकागो में दिए भाषण को 125 साल होने पर पीएम मोदी ने भी याद किया गया। आइए जानते हैं क्या थी वह घटना जिसका जिक्र मीडिया में चर्चा में आ गया था। दरअसल, ये बात 1893 की है, जब विवेकानंदजी वर्ल्ड रिलीजन कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए अमेरिका जा रहे थे और उसी शिप 'एसएस इम्प्रेस ऑफ इंडिया'पर सवार थे, जमशेदजी टाटा। शिप बेंकूवर जा रहा था। वहां से विवेकानंद को शिकागो के लिए ट्रेन लेनी थी। उस वक्त तीस साल के युवा थे विवेकानंद और 54 साल के थे जमशेदजी टाटा, उम्र में इतने फर्क के बावजूद दोनों ने काफी समय साथ गुजारा। इस शिप यात्रा के दौरान कई मुद्दों पर स्वामी विवेकानंद और जमशेदजी टाटा में चर्चा हुई। टाटा ने बताया कि वो भारत में स्टील इंडस्ट्री लाना चाहते हैं। तब स्वामी विवेकानंद ने उन्हें सुझाव दिया कि टेक्नोलघॅजी ट्रांसफर करेंगे तो भारत किसी पर निर्भर नहीं रहेगा, युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। तब टाटा ने ब्रिटेन के इंडस्ट्रियलिस्ट से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की बात की, लेकिन उन्होंने ये कहकर मना कर दिया कि फिर तो भारत वाले हमारी इंडस्ट्री को खा जाएंगे। तब टाटा अमेरिका गए और वहां के लोगों से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का भी समझौता किया। लोग बताते हैं कि इसी से टाटा स्टील की नींव पडी और जमशेदपुर मे पहली फैक्ट्री लगी। इस बात का जिक्र आज भी टाटा बिजनेस घराने से जुड़ी वेबसाइट्स पर मिल जाता है। इस पूरी मुलाकात की जानकारी स्वामीजी ने अपने भाई महेन्द्र नाथ दत्त को पत्र लिखकर दी थी। जमशेदजी टाटा भगवा वस्त्रधारी उस युवा के चेहरे का तेज और बातें सुनकर काफी हैरान थे। भारत को कैसे सबल बनाना है इस पर उनकी राय एकदम स्पष्ट थी, ना केवल आर्थिक क्षेत्र में बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी। विवेकानंद ने एक और काफी अहम प्रेरणा जमशेदजी टाटा को इस यात्रा के दौरान दी। वो थी भारत में एक टॉप लेवल की यूनीवर्सिटी खोलना जहां से वर्ल्ड लेवल के स्टूडेंट्स देश भर में निकलें, जिसमें ना केवल साइंस की रिसर्च हो बल्कि ह्यूमेनिटी की भी पढ़ाई हो। टाटा ने दोनों ही बातों को गंभीरता से लिया भी, उसके बाद टाटा अपने रास्ते पर और स्वामी अपने रास्ते पर। इस मुलाकात में दो बातें टाटा ने स्वामीजी से समझीं, एक गरीब भारतीय युवा को भरपेट खाना मिल जाए और दूसरी शिक्षा मिल जाए तो वो देश की तकदीर बदल सकता है, और टाटा ने रोजगार और शिक्षा को अपना मिशन बना लिया। हालांकि दोनों की ये पहली मुलाकात थी, लेकिन टाटा उनसे काफी प्रभावित हुए। स्वामी जी का सम्मान टाटा की नजरों में तब और भी बढ़ गया, जब ब्रिटेन के अखबारों ने उनके भाषण के बाद लिखा कि " ।जिमत सपेजमदपदह ीपउ ूम पिदक ीवू विवसपी पज पे जव ेमदक उपेपवदंतपमे जव ीपे बवनदजतल."। शिकागो भाषण के बाद विवेकानंद के चर्चे पूरे यूरोप और अमेरिका में होने लगे, वहां से वो इंग्लैंड चले गए, जहां उन्होंने कई लैक्चर वेदांत पर दिए। स्वामीजी 1897 में भारत आए और जब वो लौटे तो लोग उनकी घोडागाड़ी में से घोड़े निकालकर खुद जुत गए, ऐसे स्वागत से अभिभूत हो गए स्वामी जी। स्वामीजी ने भारतवासियों में इतना आत्मविश्वास बढ़ा दिया था कि हर कोई उन्हें सुनने को उतावला था। इधर जमशेदजी टाटा ने अपनी जिंदगी के चार मिशन बना लिए थे, एक स्टील मैन्युफैक्चरिंग यूनिट खोलना, एक विश्व स्तर की यूनीवर्सिटी शुरू करना, एक बड़ा होटल खड़ा करना और एक हाइड्रो इलैक्ट्रिक प्लांट बनाना। हालांकि होटल ताज उनके सामने ही 1903 में बनकर तैयार हो चुका था बाकी तीनों सपने उनके बाद पूरा हो पाए। इस खत में उन्होंने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस की चर्चा की, जिसके लिए बाद में वायसराय लॉर्ड कर्जन ने अनुमति नहीं दी। हालांकि टाटा ने इस इंस्टीट्यूट के लिए उस दौर में पूरे तीस लाख रुपए का ऐलान कर दिया, और विवेकानंद जी से मदद मांगी। उसके बाद कैसे स्वामीजी की मौत के बाद, यहां तक टाटा की मौत के बाद भी स्वामीजी की शिष्या भगिनी निवेदिता ने कोलकाता से लंदन तक कैसे आईआईएससी के सपने को पूरा करने के लिए, उसकी अनुमति दिलाने के लिए, फंड दिलवाने के लिए अथक प्रयास किए। विष्णु शर्मा वरिष्ठ पत्रकार हैं। 2016 में अपने ऐतिहासिक विषयों पर लिखे गए ब्लॉग के लिए उन्हें एबीपी न्यूज की ओर से बेस्ट ब्लॉगर एवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। यह लेख उनकी किताब इतिहास के 50 वायरल सच से साभार लिया गया है। बहरहाल, भाषण के अलावा विवेकानंद कई रूपों में भी याद किए जाते हैं। पिछले साल विवेकानंद के शिकागो में दिए भाषण को 125 साल होने पर पीएम मोदी ने भी याद किया गया। आइए जानते हैं क्या थी वह घटना जिसका जिक्र मीडिया में चर्चा में आ गया था। दरअसल, ये बात 1893 की है, जब विवेकानंदजी वर्ल्ड रिलीजन कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए अमेरिका जा रहे थे और उसी शिप 'एसएस इम्प्रेस ऑफ इंडिया'पर सवार थे, जमशेदजी टाटा। शिप बेंकूवर जा रहा था। वहां से विवेकानंद को शिकागो के लिए ट्रेन लेनी थी। उस वक्त तीस साल के युवा थे विवेकानंद और 54 साल के थे जमशेदजी टाटा, उम्र में इतने फर्क के बावजूद दोनों ने काफी समय साथ गुजारा। इस शिप यात्रा के दौरान कई मुद्दों पर स्वामी विवेकानंद और जमशेदजी टाटा में चर्चा हुई। टाटा ने बताया कि वो भारत में स्टील इंडस्ट्री लाना चाहते हैं। तब स्वामी विवेकानंद ने उन्हें सुझाव दिया कि टेक्नोलघॅजी ट्रांसफर करेंगे तो भारत किसी पर निर्भर नहीं रहेगा, युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। तब टाटा ने ब्रिटेन के इंडस्ट्रियलिस्ट से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की बात की, लेकिन उन्होंने ये कहकर मना कर दिया कि फिर तो भारत वाले हमारी इंडस्ट्री को खा जाएंगे। तब टाटा अमेरिका गए और वहां के लोगों से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का भी समझौता किया। लोग बताते हैं कि इसी से टाटा स्टील की नींव पडी और जमशेदपुर मे पहली फैक्ट्री लगी। इस बात का जिक्र आज भी टाटा बिजनेस घराने से जुड़ी वेबसाइट्स पर मिल जाता है। इस पूरी मुलाकात की जानकारी स्वामीजी ने अपने भाई महेन्द्र नाथ दत्त को पत्र लिखकर दी थी। जमशेदजी टाटा भगवा वस्त्रधारी उस युवा के चेहरे का तेज और बातें सुनकर काफी हैरान थे। भारत को कैसे सबल बनाना है इस पर उनकी राय एकदम स्पष्ट थी, ना केवल आर्थिक क्षेत्र में बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी। विवेकानंद ने एक और काफी अहम प्रेरणा जमशेदजी टाटा को इस यात्रा के दौरान दी। वो थी भारत में एक टॉप लेवल की यूनीवर्सिटी खोलना जहां से वर्ल्ड लेवल के स्टूडेंट्स देश भर में निकलें, जिसमें ना केवल साइंस की रिसर्च हो बल्कि ह्यूमेनिटी की भी पढ़ाई हो। टाटा ने दोनों ही बातों को गंभीरता से लिया भी, उसके बाद टाटा अपने रास्ते पर और स्वामी अपने रास्ते पर। इस मुलाकात में दो बातें टाटा ने स्वामीजी से समझीं, एक गरीब भारतीय युवा को भरपेट खाना मिल जाए और दूसरी शिक्षा मिल जाए तो वो देश की तकदीर बदल सकता है, और टाटा ने रोजगार और शिक्षा को अपना मिशन बना लिया। हालांकि दोनों की ये पहली मुलाकात थी, लेकिन टाटा उनसे काफी प्रभावित हुए। स्वामी जी का सम्मान टाटा की नजरों में तब और भी बढ़ गया, जब ब्रिटेन के अखबारों ने उनके भाषण के बाद लिखा कि " ।जिमत सपेजमदपदह ीपउ ूम पिदक ीवू विवसपी पज पे जव ेमदक उपेपवदंतपमे जव ीपे बवनदजतल."। शिकागो भाषण के बाद विवेकानंद के चर्चे पूरे यूरोप और अमेरिका में होने लगे, वहां से वो इंग्लैंड चले गए, जहां उन्होंने कई लैक्चर वेदांत पर दिए। स्वामीजी 1897 में भारत आए और जब वो लौटे तो लोग उनकी घोडागाड़ी में से घोड़े निकालकर खुद जुत गए, ऐसे स्वागत से अभिभूत हो गए स्वामी जी। स्वामीजी ने भारतवासियों में इतना आत्मविश्वास बढ़ा दिया था कि हर कोई उन्हें सुनने को उतावला था। इधर जमशेदजी टाटा ने अपनी जिंदगी के चार मिशन बना लिए थे, एक स्टील मैन्युफैक्चरिंग यूनिट खोलना, एक विश्व स्तर की यूनीवर्सिटी शुरू करना, एक बड़ा होटल खड़ा करना और एक हाइड्रो इलैक्ट्रिक प्लांट बनाना। हालांकि होटल ताज उनके सामने ही 1903 में बनकर तैयार हो चुका था बाकी तीनों सपने उनके बाद पूरा हो पाए। इस खत में उन्होंने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस की चर्चा की, जिसके लिए बाद में वायसराय लॉर्ड कर्जन ने अनुमति नहीं दी। हालांकि टाटा ने इस इंस्टीट्यूट के लिए उस दौर में पूरे तीस लाख रुपए का ऐलान कर दिया, और विवेकानंद जी से मदद मांगी। उसके बाद कैसे स्वामीजी की मौत के बाद, यहां तक टाटा की मौत के बाद भी स्वामीजी की शिष्या भगिनी निवेदिता ने कोलकाता से लंदन तक कैसे आईआईएससी के सपने को पूरा करने के लिए, उसकी अनुमति दिलाने के लिए, फंड दिलवाने के लिए अथक प्रयास किए।

डिजिटल अंतर मिटाने का वक्त, असमानता की खाई को पाटना बड़ी चुनौती

यह है–मानव पूंजी। भारत एक युवा राष्ट्र है, जहां औसत उम्र मात्र 28 वर्ष है। देश के जनसांख्यिकीय लाभ के बारे में बातें होती हैं, पर यह लाभ मिलेगा ही, इसकी गारंटी नहीं है, क्योंकि युवाओं का एक विशाल बहुमत अब भी अपनी पूरी क्षमता का एहसास नहीं कर पा रहा है। मानव पूंजी की कमी इसका एक प्रमुख कारण है। शिक्षा और विपणन कौशल मानव पूंजी के प्रमुख तत्व हैं। इसके बिना बदलती विश्व व्यवस्था में उभरते हुए नए अवसरों का लाभ नहीं उठाया जा सकता। थोड़े लोग हैं, जो इन नए अवसरों के लिए जरूरी कौशल से लैस हैं और उनका लाभ उठा रहे हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि इस वर्ष हम बाकी लोगों के बारे में विचार करेंगे, जो देश में और देश के बाहर उभरते अवसरों का लाभ उठाने के योग्य नहीं हैं।

लेखा चटर्जी

नए वर्ष में जैसे–जैसे लोकसभा चुनाव करीब आते जाएंगे, सियासी गर्मी बढ़ती जाएगी। इस दौरान कई गैर–जरूरी मुद्दे बहस के केंद्र में आ सकते हैं, जिससे बाकी मुद्दों को विमर्श से बाहर कर दिया जाएगा। लेकिन एक ऐसा मुद्दा है, जो देश के भविष्य के साथ जुड़ा है। यह है–मानव पूंजी। भारत एक युवा राष्ट्र है, जहां औसत उम्र मात्र 28 वर्ष है। देश के जनसांख्यिकीय लाभ के बारे में बातें होती हैं, पर यह लाभ मिलेगा ही, इसकी गारंटी नहीं है, क्योंकि युवाओं का एक विशाल बहुमत अब भी अपनी पूरी क्षमता का एहसास नहीं कर पा रहा है। मानव पूंजी की कमी इसका एक प्रमुख कारण है। शिक्षा और विपणन कौशल मानव पूंजी के प्रमुख तत्व हैं। इसके बिना बदलती विश्व व्यवस्था में उभरते हुए नए अवसरों का लाभ नहीं उठाया जा सकता। थोड़े लोग हैं, जो इन नए अवसरों के लिए जरूरी कौशल से लैस हैं और उनका लाभ उठा रहे हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि इस वर्ष हम बाकी लोगों के बारे में विचार करेंगे, जो देश में और देश के बाहर उभरते अवसरों का लाभ उठाने के योग्य नहीं हैं। ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय में रॉयल बैंक रिसर्च प्रोफेसर ऑफ इकनॉमिक्स अमर्त्य लाहिड़ी ने हाल ही में कहा है, श्हर साल भारत की श्रम शक्ति में 80 लाख से एक करोड़ तक नए श्रमिक जुड़ते हैं। एक दशक तक यह गति जारी रहेगी। इन नए श्रमिकों में से अधिकांश हाई स्कूल या बेहतर शैक्षणिक योग्यताओं से लैस होकर आ रहे हैं। इसलिए उनकी अपेक्षाएं आनुपातिक रूप से ज्यादा हैं और भारत की उपलब्धि के अंततः अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचने के सामान्य राष्ट्रीय आख्यान से और ज्यादा उत्साहित हैं। पर आकांक्षाएं हमेशा जमीनी वास्तविकता से मेल नहीं खातीं। लाहिड़ी के मुताबिक, श्असली समस्या कौशल की कमी की है। इस समय भारत करीब 22 लाख ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और पीएच.डी. धारक पैदा करता है। दुर्भाग्य से उनमें से अधिकांश प्रशिक्षण पाने के बावजूद रोजगार के लिए अयोग्य हैं। कुशल श्रमिकों का एक समूह तैयार करने के लिए उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिए निरंतर निवेश की आवश्यकता होगी, ताकि उन्हें इन उच्च मानव पूंजी के क्षेत्रों में अच्छे वेतन की नौकरी मिल सके। हाल के वर्षों में युवाओं को हुनरमंद बनाने और उनका कौशल बढ़ाने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। डिजिटल इंडिया पहल के तहत भी कई कार्यक्रम चल रहे हैं। लाखों युवा अब डिजिटल रूप से अधिक समझदार व शिक्षित हैं, पर देश के विभिन्न हिस्सों में अंतर बना हुआ है। जैसे, उत्तरी और दक्षिणी राज्यों और पुरुषों एवं महिलाओं के बीच भारी असमानता है। लाखों भारतीय अब भी स्कूल की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते। मई, 2023 तक देश में साइबर सुरक्षा पेशेवरों के लिए 40,000 रिक्तियां थीं, पर भारतीय भर्ती और मानव संसाधन सेवा कंपनी टीमलीज सर्विसेज की सहायक कंपनी टीमलीज डिजिटल के अनुसार, कौशल की भारी कमी के कारण इनमें से 30 फीसदी रिक्तियां भरी नहीं जा सकीं। पिछले वर्ष मार्च में सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी मल्टीपल इंडिकेटर सर्वे के अनुसार, भारत को सूचना एवं संचार तकनीक (आईसीटी) से संबंधित कुशल पेशवरों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। 11,63,416 लोगों के सैंपल पर आधारित इस डाटा से पता चला कि सभी आयु समूहों में महिलाओं की तुलना में पुरुषों के पास आईसीटी कौशल अधिक है। सर्वे में शामिल 15 से 29 वर्ष के आयु के और केवल 27 फीसदी लोगों ने कहा कि वे दस्तावेज, तस्वीर और वीडियो के साथ ईमेल भेजना जानते हैं। यदि आप इसे राज्यवार देखें, तो तमिलनाडु में 47.1 फीसदी ग्रामीण युवा यह कर सकते हैं, जबकि बिहार में मात्र 17.8 फीसदी। विशेष प्रोग्रामिंग भाषा का उपयोग कर कंप्यूटर प्रोग्राम तैयार करने वालों का प्रतिशत कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में ज्यादा है। देश की एक चौथाई से ज्यादा आबादी 15 से 29 वर्ष के युवाओं की है।

इस आबादी में आईसीटी कौशल की कमी तेजी से बढ़ती डिजिटल दुनिया में बड़ी चुनौती है। इस वर्ष इस पर ध यान केंद्रित करना होगा कि हर युवा को उसकी क्षमता और आकांक्षाओं पर खरा उतरने में कैसे मदद की जा सकती है। यह है–मानव पूंजी। भारत एक युवा राष्ट्र है, जहां औसत उम्र मात्र 28 वर्ष है। देश के जनसांख्यिकीय लाभ के बारे में बातें होती हैं, पर यह लाभ मिलेगा ही, इसकी गारंटी नहीं है, क्योंकि युवाओं का एक विशाल बहुमत अब भी अपनी पूरी क्षमता का एहसास नहीं कर पा रहा है। मानव पूंजी की कमी इसका एक प्रमुख कारण है। शिक्षा और विपणन कौशल मानव पूंजी के प्रमुख तत्व हैं। इसके बिना बदलती विश्व व्यवस्था में उभरते हुए नए अवसरों का लाभ नहीं उठाया जा सकता। थोड़े लोग हैं, जो इन नए अवसरों के लिए जरूरी कौशल से लैस हैं और उनका लाभ उठा रहे हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि इस वर्ष हम बाकी लोगों के बारे में विचार करेंगे, जो देश में और देश के बाहर उभरते अवसरों का लाभ उठाने के योग्य नहीं हैं। ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय में रॉयल बैंक रिसर्च प्रोफेसर ऑफ इकनॉमिक्स अमर्त्य लाहिड़ी ने हाल ही में कहा है, श्हर साल भारत की श्रम शक्ति में 80 लाख से एक करोड़ तक नए श्रमिक जुड़ते हैं। एक दशक तक यह गति जारी रहेगी। इन नए श्रमिकों में से अधिकांश हाई स्कूल या बेहतर शैक्षणिक योग्यताओं से लैस होकर आ रहे हैं। इसलिए उनकी अपेक्षाएं आनुपातिक रूप से ज्यादा हैं और भारत की उपलब्धि के अंततः अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचने के सामान्य राष्ट्रीय आख्यान से और ज्यादा उत्साहित हैं। पर आकांक्षाएं हमेशा जमीनी वास्तविकता से मेल नहीं खातीं। लाहिड़ी के मुताबिक, श्असली समस्या कौशल की कमी की है। इस समय भारत करीब 22 लाख ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और पीएच.डी. धारक पैदा करता है। दुर्भाग्य से उनमें से अधिकांश प्रशिक्षण पाने के बावजूद रोजगार के लिए अयोग्य हैं। कुशल श्रमिकों का एक समूह तैयार करने के लिए उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिए निरंतर निवेश की आवश्यकता होगी, ताकि उन्हें इन उच्च मानव पूंजी के क्षेत्रों में अच्छे वेतन की नौकरी मिल सके।

ऐसा कोई सगा नहीं जिसे मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने ठगा नहीं!

यह भी बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति पद संभालने वाले दिन मुइज्जू ने उन लोगों की ओर देखा तक नहीं जिन्होंने राजनीति में आगे बढ़ने में उनकी मदद की थी। बताया जा रहा है कि अब्दुल्ला यामीन शुरू से ही मुइज्जू के इस स्वार्थी रुख से वाकिफ थे। मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू सिर्फ भारत विरोधी नहीं हैं बल्कि उनके इतिहास पर गौर करेंगे तो पाएंगे कि वह किसी के सगे नहीं हैं। हम आपको बता दें कि मोहम्मद मुइज्जू ने चीन समर्थक माने जाने वाले पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन की उंगली पकड़ कर राजनीति में कदम रखा, उनके नक्शेकदम पर चलते हुए भारत विरोध को हवा दी और आखिरकार राष्ट्रपति पद तक पहुँच गये। लेकिन अब माना जा रहा है कि मुइज्जू के संबंध अपने गुरु अब्दुल्ला यामीन के साथ बिगड़ गये हैं। हालात ऐसे हो गये हैं कि भ्रष्

विकसित भारत संकल्प यात्रा का हुआ शुभारंभ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर पालिका परिषद द्वारा आयोजित 15 जनवरी 2024 से नगर के विभिन्न वार्डों में भारत संकल्प विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन हुआ। जिसका शुभारंभ 15 जनवरी से मोहम्मद हसन इंटर कॉलेज के ग्राउंड एवं टाउन हॉल मैदान मे किया गया । अपने रूटीन पर यह योजना के अंतर्गत चलेगा। विकसित भारत यात्रा का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ रामसूरत मौर्या रहे मुख्य अतिथि द्वारा बताया गया कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार के द्वारा जो कल्याणकारी योजनाएं लाभार्थियों के लिए प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में संचालित की जा रही है उसको आउटरीच कैंप लगाकर के जरूरतमंद लोगों को जो पात्र लोग हैं उनको यहां तक ले आना है और समस्त विभागों के जो यहां पर अधिकारी कैंप लगा करके आयोजित कर रहे हैं इस बैठक को उनसे तमाम इस योजनाओं के विषय में लाभ पर एक योजनाओं के विषय में जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाना है उद्देश्य इसका यह है कि घरों से लोगों को बुलाया जाए और इस आउटरेज कैंप में आकर के तमाम कल्याणकारी योजनाओं को जानकारी लें और जिससे उनका जो है मार्गदर्शन हो सके और सरकार की योजनाओं की पहुंचे उनके तक जा सके इस अवसर पर सफाई निरीक्षक डीपीएम कर अधिक कर अधीक्षक राजस्व निरीक्षक तमाम अन्य विभागों से आए हुए अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे उनके साथ–साथ वार्ड में जो जरूरतमंद लाभार्थी भी बैठक में आए और उन्होंने अपना जो है मार्गदर्शन प्राप्त किया जिससे सरकार की योजनाओं को कैसे हम प्राप्त कर सकें इस विषय में उनका मार्गदर्शन किया गया।

खण्ड शिक्षा अधिकारी ने चलाया सफाई अभियान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विकास खण्ड सिरकोनी के खण्ड शिक्षा अधिकारी अमरेश कुमार सिंह ने सफाई अभियान का शुभारंभ किया और अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को अपने साथ लेकर साफ सफाई किया। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप 14 जनवरी से 22 जनवरी तक सभी स्कूलों, शिक्षण संस्थाओं, सरकारी कार्यालयों और सामान्य संसाधन केंद्र पर सफाई अभियान की शुरुआत की गई है ,जिसमें जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के आदेश के अनुसार जनपद के सभी खण्ड के खण्ड शिक्षा अधिकारी सफाई अभियान में बढ़कर चढ़कर भाग ले रहे हैं।इस मौके पर खण्ड शिक्षा अधिकारी अमरेश कुमार सिंह ने कहा की हमे अपने आस पास साफ सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए, तथा सफाई अभियान के इसी क्रम में प्लास्टिक, कचरा मुक्त कार्यालय और उसके आसपास के क्षेत्र को बनाने के उद्देश्य सफाई अभियान चलाया गया है ,जिसमें सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित होकर सफाई अभियान में भाग ले रहे हैं ,इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी अमरेश कुमार सिंह, विद्या प्रकाश सिंह, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर अमित कुमार, नीतीश कुमार, रतन सिंह, कार्यालय सहायक अजय कुमार, कमलेश यादव, आदि लोगो ने सफाई अभियान में भाग लेकर अपने कार्यकाल व उसके आस पास के क्षेत्रों को कचरा मुक्त किया।

विवादित भूमि का निश्तारण के आश्वासन के बाद हुआ अंतिम संस्कार

दो महिलाएं सहित ग्यारह आरोपितों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 15 जनवरी खुटहन थाना अंतर्गत भटपुरा गांव में सप्ताह पूर्व मनबढ़ो के द्वारा पड़ोसी के घर में घुसकर कर लाठी डंडा और कुल्हाड़ी से हमला कर बृद्ध सहित सात लोगों को घायल कर दिया था। गंभीर रूप से घायल बृद्ध का उपचार बीएचयू के ट्रामा सेंटर में चल रहा था। जहां रविवार को उसकी मौत हो गई। देरघ रात रोते बिलखते स्वजन शव घर लाकर विवाद के निस्तारण के बाद ही अंतिम संस्कार पर अड़ गए। मौके पर पहुंचे प्रभारी उप निरीक्षक अरविंद सिंह ने सभी आरोपितों पर गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसकी कापी सौंपते हुए भूमि विवाद को निस्तारित कराने का भरोसा दिया। तब जाकर स्वजन राजी हुए। शव का अंतिम संस्कार पिलकिछा घाट पर कर दिया गया।

गांव निवासी राजेश कुमार बिंद का आरोप था कि वह बीते 7 जनवरी की शाम खाना खाकर बिस्तर पर सो रहा था। तभी पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसी अरविंद बिंद नशे में धुत होकर भद्दी भद्दी गालियां देने लगा। मना करने पर मारपीट करने लगा। कुछ देर बाद उसके अलावा दस और लोग लाठी डंडा और कुल्हाड़ी लेकर पहुंच बिस्तर पर सो रहे 80 वर्षीय धनई बिंद,इनके पुत्र राजेश, धर्मेंद्र, पौत्र अभिषेक, अमित, बृद्ध पत्नी कैलाशी और पुत्र बधू अनीता पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। 80 वर्षीय धनई बिंद की उपचार के दौरान मौत हो जाने पर स्वजन शवघ घर लाए। विवाद के निस्तारण व सभी आरोपितों पर हत्या का केस दर्ज करने के बाद ही शव का अंतिम संस्कार करने पर अड़ गए। प्रभारी निरीक्षक के द्वारा गैर इरादतन हत्या के एफआईआर की कापी देकर भूमि विवाद को राजस्व टीम के साथ बहुत जल्द सुलझाने का आश्वासन दिया गया। तब जाकर स्वजन 12 घंटे बाद शव को अंतिम संस्कार हेतु ले गए।

जेसीआई चेतना ने लैम डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट ट्रेनिंग का किया आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के एक होटल में महिलाओं की संस्था जेसीआई चेतना की अध्यक्ष मीरा अग्रहरी द्वारा लैम डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। जेएसएम पल्लवी सिंह जोन वाइस प्रेसिडेंट के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पल्लवी सिंह ने कहा कि ट्रेनिंग से सभी एलजीबी मेंबर्स तथा न्यू मेंबर्स को अपना कार्य भार संभालने तथा दायित्व का निर्वहन सुचारू रूप से करने में स

हायता मिलेगी, एलजीबी मेंबर्स अपने–अपने पोर्टफोलियो के अनुरूप मेंबर्स के क्या–क्या कार्य हैं उससे अवगत कराया तथा इस वर्ष होने वाले इवेंट पर भी भी विस्तार बात किया। बिडिंग कैसे भरते हैं, और उसमें आपके क्या–क्या पॉइंट्स हैं इन बिंदुओं पर चर्चा भी किया । ट्रेनिंग में संस्थापक अध्यक्ष मेघा रस्तोगी, पूर्व अध्यक्ष चारू शर्मा, पूर्व अध्यक्ष कल्पना केसरवानी, सारिका सेठ, इंद्र जयसवाल, सरला महेश्वरी, चेतन साहू, शिल्पी जायसवाल, ममता गुप्ता, अनीता गुप्ता, ममता कश्यप, ज्ञानेश्वरी गुप्ता, सरिता बैंकर, रिंकी जायसवाल, मीनू बरनवाल, प्रतिमा साहू, राजकुमारी मोदनवाल, गायत्री जैसवाल, संचिता बैंकर, शिवानी चौरसिया, ज्योति शाह, सुधा बैंकर, जेजे अध्यक्ष यशी गुप्ता, जेजे सचिव अनाया अग्रहरी आदि उपस्थित रहीं, कार्यक्रम का संचालन सचिव वंशिका सिंह ने तथा कोषाध्यक्ष मीना गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रभारी निरीक्षक डीपी सिंह ने थाना परिसर में मनाई मकर संक्रांति

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' जनपद लखीमपुर के थाना उचौलिया के प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र प्रताप सिंह के सौजन्य से थाना परिसर पर खिचड़ी का त्यौहार मकर संक्रांति के सुअवसर पर खिचड़ी भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। खिचड़ी भोज में पूजन अर्चन कर सर्वप्रथम कन्याओं को खिचड़ी भोज कराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर उन्होंने आमंत्रित क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों एवं पत्रकारों सहित अन्य काफी संख्या में लोगों को कुर्सियों पर बैठाकर सम्मान पूर्वक भक्ति भाव से खिचड़ी भोज कराया साथ ही गणमान्य एवं पत्रकारों को मिष्ठान पैकेज से सम्मानित भी किया।इस कार्य की लोगों ने काफी प्रशंसा की। इस मौके पर क्षेत्र के काफी संख्या में लोग सम्मिलित हुए और खिचड़ी भोज कर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहभागिता की।

के पी ट्रस्ट प्रयागराज के नव निर्वाचित अध्यक्ष डॉ सुशील सिन्हा को कायस्थ कल्याण समिति ने किया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 16 जनवरी ।कायस्थ कल्याण समिति जौनपुर के तत्वावधान में दिनांक 14 जनवरी 2024 को नगर के जनक कुमारी इण्टर कॉलेज के सभागार में समिति का स्थापना दिवस, नववर्ष मिलन तथा के पी ट्रस्ट प्रयागराज के नव निर्वाचित अध्यक्ष डॉ सुशील सिन्हा जी का भव्य सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता कायस्थ कल्याण समिति के अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव तथा मुख्य अतिथि जनपद के वरिष्ठ अधिवक्ता ध्जनक कुमारी इंटर कॉलेज के प्रबंधक संतोष कुमार श्रीवास्तव एवं कार्यक्रम के संयोजक भालेंद्र श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान चित्रगुप्त भगवान की आरती जनक कुमारी जीके मूर्ति पर माल्यार्पण कर संयुक्तलता श्रीवास्तव व छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना स्वागत गीत से किया गया ! संस्थापक सदस्य इंजीनियर आर डी श्रीवास्तव, सुनील अस्थाना, प्रदीप अस्थाना, आनंद मोहन श्रीवास्तव सरस श्रीवास्तव आदि ने कायस्थ कल्याण समिति के

34 वर्ष के सफर का वर्णन

अपने उद्बोधन में किया तथा समाज के हित में समिति द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की और यह उम्मीद जताई कि समिति आगे भी समाज के हित में कार्य करती रहेगी। नव वर्ष मिलन में समिति के सदस्यों द्वारा पारिवारिक कार्यक्रम एवं

प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिनमे विजेताओं यथा मुकेश श्रीवास्तव , पिंकी श्रीवास्तव ज्योति श्रीवासतव को कार्यक्रम के अतिथि डॉक्टर सुशील सिन्हा द्वारा पुरस्कार वितरित किया गया। समिति की ओर से डॉक्टर सुशील सिन्हा का सम्मान अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर समिति के संरक्षक द्वय प्रदीप श्रीवास्तव डी ओ, प्रदीप श्रीवास्तव पप्पू जी ,सुनील अस्थाना, प्रदीप अस्थाना, डॉक्टर अशोक अस्थाना द्वारा किया गया! जनपद के वरिष्ठ चित्रांश बन्धुओं द्वारा भी डा० सिन्हा को सम्मानित किया गया। सरस श्रीवास्तव, डॉ मन मोहन श्रीवास्तव, आनन्द मोहन श्रीवास्तव ,भालेंद्र , गिरवर अस्थाना, गिरीश श्रीवास्तव,वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ रवि श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव ,सचिव गणतंत्र श्रीवास्तव ,कोषाध्यक्ष आलोक रंजन सिन्हा, युवा अध्यक्ष विनीत श्रीवास्तव, ऋषि श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी मनीष श्रीवास्तव , सुशील श्रीवास्तव, पिंकी श्रीवास्तव महिला शाखा

अध्यक्ष मधुलिका श्रीवास्तव, महामंत्री ज्योति श्रीवास्तव ,पूर्व प्रशासनिक अधिकारी राकेश श्रीवास्तव डीएनए टेस्टिंग एक्सपर्ट डॉक्टर संजय श्रीवास्तव ,मनीष श्रीवास्तव श्बच्चाश एवं मनीष श्रीवास्तव भाजपा नेता, संजय श्रीवास्तव जिला शासकीय अधिवक्ता एवं अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष, राजेश श्रीवास्तव बच्चा भैया, गिरीश श्रीवास्तव, अतुल श्रीवास्तव एडवोकेट,राजीव श्रीवास्तव , कुमारअंकित श्रीवास्तव एडवोकेट, रवीकेश श्रीवास्तव, सुशील श्रीवास्तव एडवोकेट, गिरवर अस्थाना व राजेश श्रीवास्तव पत्रकार, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव पत्रकार प्रदेश प्रवक्ता अभाकाम 2150 , सन्तोष श्रीवास्तव राजेश श्रीवास्तव तथा अनेक अन्य चित्रांश बन्धुओं ने किया।

अपने उद्बोधन में डॉ सुशील सिन्हा ने जौनपुर के लोगों द्वारा जो चुनाव में उन्हें स्नेह मिला उसके प्रति आभार व्यक्त किया और बताया कि चूंकि मुंशी काली प्रसाद जौनपुर के ही निवासी थे अतः उनकी एक प्रतिमा जौनपुर में शीघ्र ही स्थापित किया जायेगा तथा एक कॉलेज और एक चिकित्सालय भी के पी ट्रस्ट द्वारा बनवाया जायेगा। उन्होंने जनक कुमारी इण्टर कॉलेज में भी एक कक्ष निर्माण कराने की भी घोषणा किया। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष पद का कार्यभार संभालने के बाद सबसे पहले जौनपुर की कायस्थ कल्याण समिति द्वारा मेरा सम्मान समारोह आयोजित किया गया इसके लिए मैं कायस्थ कल्याण समिति के लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। कार्यक्रम के अन्त में अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया! कार्यक्रम का संचालन कायस्थ कल्याण समिति के महासचिव विपनेश कुमार श्रीवास्तव ने किया।

हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा दो आरोपी गिरफ्तार, दो फरार

1-हॉस्पिटल के संचालन को लेकर एक पार्टनर ने दूसरे पार्टनर डॉ की कराई थी हत्या

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जलालपुर थाना अंतर्गत पुलिस ने 4 जनवरी को डा0 तिलकधारी पटेल की हत्या की घटना का खुलासा करते हुए दो अभियुक्त महेश सोनकर व किशन सिंह को हत्या में प्रयुक्त पिस्टल कारतूस, एक मोटर साइकिल के साथ गिरफ्तार किया है। घटना का सोमवार को खुलासा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक शहर बृजेश कुमार ने बताया की पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अजय पाल शर्मा के निर्देशन में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी गौरव शर्मा के नेतृत्व में जलालपुर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर बीते 4 जनवरी को जलालपुर में डा0 पटेल की हत्या में शामिल

अभियुक्त महेश सोनकर पुत्र भोला सोनकर नि0 लालपुर थाना जलालपुर,को कुसिया नहर के रास्ते बाइक से हाइवे की तरफ आ रहा है। इस सूचना पर प्रभारी निरीक्षक मय पुलिस टीम के भवनाथपुर नहर पुलिया के पास से रविवार की रात्रि में एक अभियुक्त को पकडा गया, जिसका नाम पता पूछते हुए जामातलाशी ली गयी तो अपना नाम महेश सोनकर पुत्र भोला सोनकर नि0 लालपुर थाना जलालपुर बताया जिसके कब्जे से एक पिस्टल कारतूस व एक लूट की बाइक बरामद हुई।अभियुक्त महेश सोनकर के बताये अनुसार दरवेशपुर हाइवे पुल अण्डरपास से एक अभियुक्त किशन सिंह पुत्र सुशील सिंह नि0 कसेरूपुरेदयाल थाना सुरेरी श्री कृष्णा बाल केयर चिकित्सालय जलालपुर के संचालक को गिरफ्तार किया गया।पूछताछ में महेश सोनकर ने बताया कि मैं अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर डॉ तिलकधारी पटेल को किशन सिंह पुत्र सुशील सिंह जो कृष्णा बाल केयर चिकित्सालय जौनपुर के संचालक है उनके कहने पर उनसे 5 लाख रूपये में तय कर गोली मारकर हत्या किया है। घटना के पहले 20 हजार रूपये तथा घटना के बाद 25 हजार रूपया मिला था शेष पैसे लेने के बारे में बात करने के लिए आते समय पकड़ गया। घटना के समय किशन सिंह भी हमलोगों के साथ मौजूद रहकर डाक्टर तिलकधारी पटेल के सोने वाले स्थान को बताया था । जिसके बाद हमलोगो ने घटना को अंजाम दिया था। वही किशन सिंह श्री कृष्णा बाल केयर चिकित्सालय के संचालक ने बताया कि मेरा मृतक डा0 पटेल से व्यापार सम्बन्धी विवाद था। डा0 पटेल हमारे तथा हमारे हास्पिटल के विरूद्ध गलत– गलत अफवाह फैलाकर हमारा अस्पताल खराब कर रहे थे, जिसके कारण मेरा अस्पताल बिल्कुल नही चल रहा था मजबूर होकर मैने महेश सोनकर पुत्र भोला सोनकर नि0 लालपुर थाना जलालपुर व उसके दो अन्य साथियों के साथ मिलकर 5 लाख रूपये में डा0 पटेल की हत्या करने की बात हुई थी। घटना के समय मैं भी मौजूद था।इस मामले का सोमवार को खुलासा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ब्रजेश कुमार ने बताया की डॉक्टर तिलकधारी पटेल व किशन सिंह एक साथ हॉस्पिटल चला रहे थे बाद दोनों अलग हो गए किशन बगल में अपना एक हॉस्पिटल खोल दिया और दोनों का कम्पटीशन होने लगा तिलकधारी का अस्पताल ठीक चलने लगा किशन अस्पताल कम चल रहा था इसी बात को लेकर डॉक्टर के हत्या की साजिश रच दिया और 5 लाख की सुपारी देकर डॉ की हत्या करवा दिया। पुलिस हत्या में संलिप्त संचालक समेत दो आरोपियों को किया गिरफ्तार किया गया हैं। फरार दो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दिया गया है।

गोरखपुर महोत्सव : ये दुनिया पित्तल दी, गाने पर खूब झूमे गोरखपुरवासी

गोरखपुर (संवाददाता)। कनिका ने लोगों का उत्साह देखकर उन्हें निराश नहीं किया और ढेर सारे गाने सुनाए। तेनू काला चश्मा जंचदा है.. . सुबह होने ना दें... लत लग गई.. . तेरा लौंग लवाचा.. आशिक बनाया. ..बिजली–बिजली...गुलाबी आंखें... अंबर सरिया... कजरा मोहब्बत वाला. .. झुमका गिरा रे जैसे गीतों को सुनाकर उन्होंने गोरखपुरवासियों का दिल जीत लिया। सर्द रात, बॉलीवुड नाइट और मंच पर कनिका कपूर हों तो मनोरंजन का तड़का लगना तय है। शनिवार को गोरखपुर महोत्सव के बॉलीवुड नाइट में कनिका के मंच पर आते कुछ ऐसा ही नजारा दिखा। जमकर धमाल मचा। एक के बाद एक कनिका न अपने हिट गाने सुनाए और सर्द रात में भी लोगों में जोश भर दिया। देर रात तक श्रोता कनिका के गीतों पर झूमते नजर आए। चिटियां कलाइयां वेश्श गाने के साथ जब कनिका ने महोत्सव का मंच संभाला तो बेसब्री से इंतजार कर रहे श्रोताओं ने शोर मचाकर उनका भव्य स्वागत किया। श्रोताओं के जोश को देखकर कनिका भी उत्साहित हो गईं और बिना रुके लगातार एक के बाद एक हिट गानों की प्रस्तुति शुरू कर दी। खुद को उत्तर प्रदेश का बताते हुए उन्होंने श्रोताओं को खुद से जोड़ने की कोशिश की। साड्डी गली...मैनू यार ना मिले तो मर जावां... हाई हील ते नच्चे... देसी गर्ल.. लंदन ठुमका दा सुनने के बाद जैसे ही उन्होंने बेबी डॉल सोने दी... सुनाया, कुर्सियों पर बैठे बहुत सारे युवा खड़े होकर झूमने लगे और उनका साथ देने लगे। कनिका ने लोगों का उत्साह देखकर उन्हें निराश नहीं किया और ढेर सारे गाने सुनाए। तेनू काला चश्मा जंचदा है... सुबह होने ना दें.. . लत लग गई... तेरा लौंग लवाचा. . आशिक बनाया...बिजली–बिजली... गुलाबी आंखें... अंबर सरिया... कजरा मोहब्बत वाला... झुमका गिरा रे जैसे गीतों को सुनाकर उन्होंने गोरखपुरवासियों का दिल जीत लिया।

भगवान श्री राम की कर्मभूमि से जन्मभूमि पहुंची श्री राम अभ्युदय रथ यात्रा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। भगवान श्री राम की कर्मभूमि से जन्मभूमि पहुंची श्री राम अभ्युदय रथ यात्रा, श्री राम कर्मभूमि न्यास सिद्ध आश्रम बक्सर से अयोध्या पहुंची है श्री राम अभ्युदय रथ यात्रा, श्री रामेश्वर नाथ मंदिर सिद्धाश्रम धाम बक्सर से अयोध्या पहुंची है रथ यात्रा, श्री राम कर्मभूमि न्यास सिद्ध आश्रम के संस्थापक केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे पहुंचे हैं अयोध्या, केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे का बयान, राम जन्मभूमि के बाद अब भगवान श्री राम के कर्मभूमि बक्सर की बारी आई है, भगवान राम लला विराजमान हो गए हैं, अब आततायियो का करेंगे संघार, भगवान राम यहां से अब चारों तरफ विचरण करेंगे, पूरे देश दुनिया में फिर से राम राज्य की स्थापना होगी, श्री राम कर्मभूमि न्यास ने जो बीड़ा उठाया है वो पूरा होगा, बिहार का बक्सर वह स्थान है जहां पर महर्षि विश्वामित्र ने भगवान श्रीराम को शिक्षा दीक्षा भी दी थी, शस्त्र और शास्त्र से भी सुसज्जित किया गया था, श्री राम ने ताड़का का वध किया ऐसी श्री राम की अब प्रतीक्षा है कि अपने प्रथम कर्मभूमि बक्सर सिद्धाश्रम जहां पर ताड़का सुबाहु का वध करके तमाम आततयियो का विनाश किया था, आज वही राम सबके दिल में है, जितने आतताई दिखाई पड़ रहे हैं। इसी धरती पर सब का विनाश होगा।

खड़भड़िया में शुरू हुआ 48 वां मकर संक्रांति मेला

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। हैरिंग्टनगंज ब्लॉक के सत्येंद्र नगर खड़भड़िया में मकर संक्रांति के अवसर पर मेले का शुभारंभ हुआ। इसके पूर्व मेला समिति के बैनर तले हुई बैठक में मेला प्रबंधक पत्रकार एसएन सिंह ने बताया कि वर्ष 1976 में तत्कालीन ग्राम प्रधान सत्येन्द्र सिंह ने मेले की नींव रखी थी। तब से लगातार मेले का आयोजन होता चला आ रहा है। इस बार 48 वां मकर संक्रांति मेला शुरू हो गया है। यह मेला 13 जनवरी से 22 जनवरी तक चलेगा। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं मिल्कीपुर विधायक अवधेश प्रसाद ने मेले का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईपीएस अरविन्द सेन ने किया। इसके साथ ही हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन आर्य समाज प्रधान अछोरा ओमप्रकाश सिंह ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भजन गायिका पूर्णिमा तिवारी एवं प्रेरणा तिवारी ने समां बांध दिया।

कौन से पंचांग से 22 जनवरी की तिथि को राम के प्राण-प्रतिष्ठा का मुहूर्त शुभ माना गया ?

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। कौन से पंचांग से २२ जनवरी की तिथि को राम के प्राण–प्रतिष्ठा का मुहूर्त शुभ माना गया ? आज की तारीख में शंकराचार्यों की जो बीजेपी और संघ द्वारा छिछालेदर हो रही है इसके जिम्मेदार वे स्वयं हैं।

सवाल तो इन चारों शंकराचार्य से भी बनता है कि पिछले दस सालों से ये चुप्पी साधे क्यों बैठे थें ? क्या इन्हें पता नहीं था कि बीजेपी और आरएसएस अपने राजनीतिक लाभ के लिए धर्म को इस्तेमाल कर रहें हैं ??? जबकि आम जनमानस को इस खतरे से सावधान करना चारों पीठ के शंकराचार्यों का काम था धर्म को सही दिशा दिखाना। दरअसल ये खाते पीते अघाते कथित संत हैं। जैसे देश की सत्ता पर मोदी बैठे हैं वैसे ये भी चारों धार्मिक पीठ का मजा ले रहें हैं। इससे ज्यादा कुछ नहीं। इनमें दम होता तो न्याय यात्रा की तरह ये भी धर्म यात्रा निकालकर अयोध्या में हो रहे राम के नाम पर सत्ता द्वारा किए जा रहे अधर्म के विरुद्ध शंखनाद करते। मोदी ने इनकी औकात बता दी। कुल मिलाकर कहें तो देश अपराधियों के गिरोह के मकड़जाल में फंस चुका है। इस जंजाल से देश को निकालना नामुमकिन नहीं तो मुश्किल जरूर हो गया है।

यूपी बोर्ड कक्ष निरीक्षकों के आईकार्ड पर होगा कोड

अयोध्या। हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा नकलविहीन कराने के लिए यूपी बोर्ड ने एक और अहम कदम उठाया है। पहली बार कक्ष निरीक्षकों के आईकार्ड पर बार कोड और क्रमांक होगा। इस बार कक्ष निरीक्षकों के लिए बनने वाले आईकार्ड का प्रारूप यूपी बोर्ड मुख्यालय जारी करेगा। जारी प्रारूप पर ही जिला विद्यालय निरीक्षक कक्ष निरीक्षकों का आईकार्ड जारी करेंगे। राज्य से लगभग 2.75 लाख शिक्षकों की ड्यूटी लगेगी।नकल विहीन कराने के लिए परीक्षा कक्षों में निरीक्षण के लिए लगाए जाने वाले लगभग 2.75 लाख कक्ष निरीक्षकों के लिए पहली बार एक सुरक्षित क्यूआर बार कोड एवं क्रमांकयुक्त कम्प्यूटराइज्ड परिचय पत्र तैयार कराया जाएगा।

श्रीराम जन्मभूमि सेवा समिति के द्वारा 75 वां प्राकट्य महोत्सव पौष शुक्ल तृतीया के अवसर पर मना

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि सेवा समिति ने 75 वां प्राकट्य महोत्सव पौष शुक्ल तृतीया रविवार 14 जनवरी को मनाया गया, जिसमें रामकोट का परिक्रमा होता है श्रीराम जन्मभूमि के प्रमुख मार्ग से होते हुए टेढ़ी बाजार. श्रीराम जन्मभूमि थाना. अशर्फी भवन चौराहा. श्रीराम चरित मानस भवन. मत गजेंद्र. भागवत आचार्य स्मारक सदन. अयोध्या कोतवाली. हनुमानगढ़ चौराहा. श्रीराम अस्पताल. श्रीरेश्वर नाथ महादेव होते हुए पुणरू श्रीराम जन्मभूमि के प्रमुख मार्ग पर विराम दिया गया श्रीराम जन्मभूमि के गर्भगृह में रखे हुए पूजित कलश कल प्रातः 10:00 बजे मंदिर गर्भगृह से लेकर प्रमुख मार्ग पर हनुमान जी मंदिर में रखकर 2:00 बजे से शोभायात्रा निकाली गयी जिसमें अयोध्या हनुमानगढ़ के निशान अस्त्र–शास्त्र के साथ पूज्य संत. महंत. भक्त. पत्रकार बंधु. युटुबर. सामाजिक कार्यकर्ता. व्यवसाय. शासनिक प्रशासनिक अधिकारी. श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य. जनप्रतिनिधि सांसद विधायक महापौर अध्यक्ष . स्वयंसेवक. शिक्षक. छात्रगण. गुरुकुलम के बच्चे सम्मिलित होकर घोड़े हाथी गाजे बाजे के साथ श्रीराम जी का संकीर्तन गाते हुए करते हुए परिक्रमा किया।

रामनगरी के राजा से मिलने आए राम यूनाइडेड नेशंश के वर्ड पीस एबेंसडर डा0 परविंदर सिंह की अगुवाई में आया थाईदल

थाईलैंड की सरकार ने सांस्कृतिक केंद्र के लिए राजा से मांगी जमीन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। श्री हरि विष्णु के वाहन गरूण के पुजारी और श्रीराम के नाम के राज करने वाले थाईलैंड ने एक बार फिर अपने पुराने रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में कदम उठाया है।यूनाइडेड नेशंश से वर्ड पीस अंबेस्डर डा0 परविंदर सिंह की अगुवाई में आये थाई भिक्षुओं ने अयोध्या के राज परिवार के सदस्य एवं श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य विमलेंद्र मोहन प्रताप सिंह ने मुलाकात कर सांस्कृतिक केंद्र खोलने के लिए जमीन की मांग का प्रस्ताव दिया। श्री सिंह ने उनके प्रस्ताव को सहर्ष स्वीकार कर कहा कि जल्द ही इसके लिए अगली कार्यवाही की जाएगी।शुक्रवार की दोपहर गया से सारनाथ होते हुए थाई प्रतिनिधियों का दल अयोध्या पहुंचा। यहां पर सर्वप्रथम उन्होंने श्री राम लला के दर्शन किये।इस दौरान हिस हाईनेस डा0 परविंदर सिंह ने बताया कि भगवान राम एक ऐसे आदर्श पुरूष थे जिनके आर्दशो को थाई लैंड सदियों पहले आत्मसात कर चुका है। थाईलैंड में श्री राम के नाम पर ही राजा राज करते हैं। वर्तमान समय राम 10 का शासन चल रहा है। उन्होंने बताया कि थाईलैंड मे रामायण के प्रसंगों को रामलीला के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है। वहां पर संवाद संप्रेषण के साथ मुखौटों व मुखाकृति के द्वारा विशेष प्रस्तुति दी जाती है। हमारा लक्ष्य भारत और थाईलैंड के पारस्परिक संबंधों को और भी ज्यादा मजबूती देना है।इसके बाद थाईदल राज सदन पहुंचा। जहां पर उनका स्वागत विमलेंद्र मोहन प्रताप सिंह व स्थानीय साहित्यकार यतीन्द्र मिश्रा ने जोरदार तरीके से किया। यहां पर डा0 सिंह ने थाईलैंड की ओर से उन्हें अयोध्या में एक सांस्कृतिक केद्र खोलने का प्रस्ताव दिया। इस दौरान डा0 सिंह ने कहा कि भगवान राम की जन्मभूमि थाईलैंडवासियों के दिलों में विशेष स्थान रखती है। इसको ध्यान में रखते हुए हम लोग उत्तर प्रदेश में वाट फ्राराम अयोध्या, संस्कृति मंत्रालय एक कला और सांस्कृतिक केंद्र के विकास एवं स्थापना को लेकर कृतसंकल्पित है। वाट फ्राराम अयोध्या का लक्ष्य अयोध्या शहर के समग्र विकास में योगदान देना है। इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए जमीन की तलाश है। इसके बनाने के पीछे का लक्ष्य भौतिक प्रगति के साथ ही सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता को और भी ज्यादा प्रभावी, एकात्म मानववाद से उत्प्रेरित करना है। यह संस्कृति मंत्रालय न केवल समुदायों के बीच बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर संस्कृति के आदान प्रदान में सहभागी बनेगा। यह कला और सांस्कृतिक केंद्र भारतीय नागरिकों व वैश्विक पर्यटकों के बीच सुलभ कला प्रदान करने के अवसर प्रदान करेगा। यह केद्र कलात्मक अभिव्यक्ति, अयोध्या की विविध सांस्कृतिक परंपरा को प्रदर्शित करने और रचनात्मकता को बढाने का केंद्र होगा। यह थाई भारतीय सहयोग के लिए एक बड़ा प्रकाशस्तम्भ के रूप में काम करेगा।उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को भारत के हर गांव में उत्सव मनाया जाने के लिए तैयारियां चल रही हैं, ऐसे ही थाईलैंड में भी हर तरफ उत्साह का माहौल है। हर गांव गांव में सांस्कृतिक व सामाजिक तौर पर लोग इस बड़े आयोजन के साम्श्रल्न्थ जुडकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उनके साथ थाई बौधभिक्षु फ्रापलाड नारोंग मौजूद रहे।

प्राण प्रतिष्ठा के दिन मंदिर परिसर में होगा भजन कीर्तन के अलावा होगा भंडारे का आयोजन - के सी श्रीवास्तव

अयोध्या जैसे–जैसे 22 जनवरी का दिन समीप आ रहा है वैसे–वैसे सिर्फ रामनगरी ही नहीं समूचे करोड़ों हिंदुस्तानियों का इंतजार बेसब्री से है और हो भी क्यों ना क्योंकि 500 साल से अधिक प्रभु श्री राम कभी मस्जिद के नीचे कभी तंबू के नीचे रहने के साथ–साथ काफी दिनों तक निचली अदालत से लेकर सुप्रीम कोर्ट की अदालत तक मुकदमों में उलझने के साथ साथ राजनीतिक मुद्दा भी बने रहे। लेकिन अब 22 जनवरी दिन सोमवार को उसे दिन यह सब खत्म हो जाएगा जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हजारों आमंत्रित साधु संतों अतिथियों के मौजूदगी में प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा भव्य दिव्य अलौकिक मंदिर में करेंगे यह बातें चित्रांश सेवा ट्रस्ट प्रताप नगर हैदरगंज के अध्यक्ष के श्री श्रीवास्तव ने कही उन्होंने बताया कि आज भी उनको याद है जब वह दिल्ली में थे कर सेवा करने के लिए रामनगरी आ रहे थे तभी उनको सहारनपुर में सुरक्षा कर्मियों ने गिरफ्तार कर 12 दिन तक जेल में बंद रख रहा उन्होंने बताया कि हमें कोई मलाल नहीं है कि हमें प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण मिले लेकिन उन्होंने सभी देशवासियों से इतना अपील किया कि वे सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को मानते हुए सभी देशवासी अपने–अपने घरों में आसपास के मंदिरों में श्री राम की ज्योति जलाएं शाम को भव्य दीपावली मनाएं उन्होंने बताया कि उनकी अपील पर 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के दिन दिन भर श्री राम श्री राम का जाप होगा भजन कीर्तन होगा और उसे दिन विशाल भंडारे का भी आयोजन होगा। इस मौके पर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष सुरेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि आज हम धन्य है धन्य है नरेंद्र मोदी जी धन्य है उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ जी उनके साथ–साथ सुप्रीम कोर्ट में पर भी करने वाले अधिवक्ता व राम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला सुनाने वाले पांचो जज इन सभी के जितने भी तारीफ की जाए बहुत ही काम है उन्होंने कहा लगता है इन्होंने पिछले जन्म में बहुत ही अच्छे पुण्य किए थे तो आज इनको रामकाज करने का मौका मिला है।

अयोध्या नव निर्माण समिति व अखंड वीर योद्धा समिति के पदाधिकारियों ने श्री राम जयकारों के साथ हुई पदयात्रा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। अयोध्या नवनिर्माण समिति एवं अखंड वीर योद्धा समिति के तत्वाधान में दर्जनों लोगों ने उदया चौराहे से पैदल करते हुए ष्जय सियाराम, एक ही नारा एक ही नाम – जय सियाराम जय सियाराम , छत पर भगवा घर में राम – जय सियाराम जय सियारामष्के जयकारे के साथ राम जन्मभूमि मंदिर पहुंचकर राम लला का दर्शन पूजन किया। पदयात्रा के दौरान योगी की तरह की वेशभूषा में रहने वाले अजय कनौजिया चर्चा का विषय रहे जिन्हें लोग छोटे योगी के रूप में पुकारते हैं।कार्यक्रम के संयोजक शिशिर दुबे ने बताया कि अयोध्या को विश्व पटल पर लाने के लिए हम सदैव शासन प्रशासन के कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करते रहेंगे। उन्होंने पदयात्रा में शामिल लोगों को धन्यवाद भी दिया जिन्होंने इतनी ठिठुरन भरी शीत लहर में भी भक्ति का भाव लेकर श्री राम लला का दर्शन किया।पदयात्रा में अधिवक्ता ध्पत्रकार राजेन्द्र तिवारी ,डॉ अजय तिवारी, गोलू पाठक, दीपक पांडे, सोनू गौड़,सौरभ दुबे नीरज यादव प्रशांत श्रीवास्तव सुनीता अवस्थी पंकज तिवारी संदीप यादव सहित काफी संख्या में महिलाएं भी रही।

स्वर्गीय सैय्यद वकार रिजवी की याद में कर्बला दयानत उद्दौला सआदतगंज में फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। स्वर्गीय सैय्यद वकार रिजवी की याद में कर्बला दयानत उद्दौला सआदतगंज लखनऊ मे फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया, जिसमे के जी एम यू तथा अन्य मेडिकल संस्थानों के प्रमुख डॉक्टर की टीम मौके पर जरूरत मंदों को मुफ्त मे इलाज मुहैय्या करा रही थी। मुफ्त में आंखों की जांच भी चल रही थी। इस अवसर पर केनरा बैंक लखनऊ के अंचल प्रमुख और महाप्रबंधक आलोक कुमार अग्रवाल ने भी मुख्य अतिथि के रूप मे मेडिकल कैंप मे शिरकत की। बैंक ने इस नेक काम के लिए आयोजकों को सहायता राशि प्रदान की और भविष्य में भी इस प्रकार से जनहित के कार्यक्रम में केनरा बैंक द्वारा आर्थिक मदद देने का आश्वासन दिया। मेडिकल कैंप मे एलोपैथी, होमियोपैथी और यूनानी सभी वर्ग के डॉक्टर उपलब्ध थे।

दीप जलेंगे, सुंदर भगवा झंडों से सजेंगी दुकानें, 22 जनवरी को राम के रंगों से सराबोर होंगा गोसाईंगंज बाजार

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। राम मंदिर के उद्घाटन की तैयारियां की जा रही है। पीएम मोदी 22 जनवरी को मंदिर में श्रीराम की प्रतिमा के प्राण–प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। इस बीच पूरे देश में इस दिन को खास बनाने की तैयारियां भी चल रही हैं। हर कोई अपने–अपने ढंग से इस दिन को ऐतिहासिक बनाना चाहता है।

गोसाईंगंज महादेवा घाट मंदिर में श्रीराम भजन, कीर्तन, सुंदर कांड के पाठ और भंडारे होंगे। वही एलईडी स्क्रीन पर प्राण प्रतिष्ठा का लाइव नजारा देखा जाएगा।नगर को सुंदर भगवा झंडों और लाइटिंग से सजाने की योजना बनाई है। कुछ स्थानों में डेकोरेशन का काम शुरू हो गया है। वही नगर पंचायत द्वारा बाजार के सभी बिजली के खंभे को भगवा कलर में रंगा जा रहा है। तिरंगा एलइडी लाइट से सारे खंभे की सजावट होगी। वही नगर के साफ सफाई व्यवस्था को लेकर नगर पंचायत अधिषाशी अधिकारी इंद्रभान जी पूरे नगर का जायजा ले रहे हैं। इसी के साथ पूरे नगर में चूने का छिड़काव भी किया जाएगा। इसके लिए नगर पंचायत में एक बैठक की गई जिसमें नगर के सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं सभी मंदिरों के देखरेख करने वाले सदस्यों व महंतों को बुलाया गया उनसे राय लिया गया कहीं कोई कमी साफ सफाई व्यवस्था में लगे तो नगर पंचायत में इसकी सूचना जरूर दें। वही नगर के लोगों के भाजपा कार्यकर्ता दुकान–दुकान जाकर व्यापारियों से आह्वान किया जा रहा है कि श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा उत्सव को धूमधाम से मनाना है। 22 जनवरी को बड़ी दिवाली के तौर पर मनाना है। 15–21 जनवरी तक बाजार को सजा दिया जाएगा। भगवा झालर और झंडी लगाएंगे।

ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। साहित्यिक गतिविधियों के प्रति समर्पित संस्थाष साहित्य वीथिका साहित्यिक सामाजिक संस्थाष के तत्वावधान में ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता व मंच संचालन संस्था की अध्यक्ष मंजूषा श्रीवास्तव मृदुल द्वारा किया गया।

गोष्ठी की मुख्य अतिथि नमिता सचान सुंदर रश्मि लहर थी।

मां शारदे की आराधना और दीप प्रज्वलन से गोष्ठी का प्रारंभ हुआ

अतिथियों के स्वागत के पश्चात मां शारदे की वंदना नमिता सुंदर के मुखारविंद से हुई।

इसके बाद प्रबुद्ध कवयित्रियों की रचनाओं की सुमधुर पावनी गंगा में सभी ने स्नान किया द्य

काव्य गोष्ठी में नीरजा नीरू, पूनम सिंह चौहान, शशि तिवारी, शिल्पी बक्शी,रुबीना हमीद, मनोरमा श्रीवास्तव,गरिमा पंत, अंजली सारश्वत,मीनाक्षी पीयूष,रश्मि लहर, नमिता सुंदर, गरिमा पंत एवं मंजूषा श्रीवास्तव आदि ने काव्य पाठ किया ।

मुख्य अतिथि नमिता सचान ष्सुंदरष एवं रश्मि लहर ने कार्यक्रम की सराहना की और आशीर्वचन दिए। अध्यक्ष मंजूषा श्रीवास्तव मृदुल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ गोष्ठी का समापन हुआ।

सेवा कार्य के द्वारा लगभग 125 लोग लाभान्वित हुए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मकर संक्रांति के अवसर पसेवा कार्य के द्वारा लगभग 125 लोग लाभान्वित हुए. , भारत विकास परिषद, एन.सी.आर.–2 अवध प्रान्त की प्रगति शाखा ने मंजू सिंह के नेतृत्व में, दिनांक 14 जनवरी 2024, अपराह्न 2रू00 बजे, अंगीकृत सेवा बस्ती बेलहा गांव में, खिचड़ी वितरण का कार्यक्रम किया. 'मुख्य अतिथि' 'डॉक्टर के के राज' रहे,जिन्हे पुष्प माला पहनाकर शाखा के कोषाध्यक्ष पी.के. श्रीवास्तव ने सम्मानित किया.

सर्व प्रथम उनके कर कमल से, कन्या को खिचड़ी प्रस्तुत कर के वितरण कार्य आरंभ कराया गया .

प्रगति शाखा का यह कार्यक्रम में साधना सिंह, पीके श्रीवास्तव, आलोक सक्सैना, डॉक्टर चित्रा सक्सेना,कंचन गुप्ता,डॉक्टर ए. के.डंगवाल, सविता डूबे, बीना त्रिवेदी तथा मंजू सिंह के सामूहिक प्रयास से संपन्न हुआ.

सभी को खिचड़ी तथा रायता परोसा गया. सेवा कार्य के द्वारा लगभग 125 लोग लाभान्वित हुए.

हर्षित सिंह ने आयोजित की जागरूकता शिविर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एण्ड कॉलेजेज के डायरेक्टर हर्षित सिंह ने विनम्र खंड गोमती नगर के कैम्पस में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के दिशा निर्देशन में लखनऊ पब्लिक कॉलेज आफ प्रोफेशनल स्टडीज एवं लखनऊ पब्लिक स्कूल्स के कर्मचारियों के लिए जागरूकता एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन कराया द्य कार्यक्रम में कर्मचारी राज्य बीमा निगम शाखा कार्यालय कपूरथला की शाखा प्रबंधक कोमल जैन, नरेन्द्र बहादुर सिंह, राजेंद्र प्रसाद शर्मा, डॉ तराना हाशिम, डॉ राकेश चक्रवर्ती, प्रधानाचार्या अनीता चौधरी, एलपीसीपीएस डायरेक्टर गरिमा सिंह, राजकुमार वर्मा , डीन डॉ. एल. एस. अवस्थी, मीडिया हेड विजय मिश्रा, मुख्य निरीक्षक संजय प्रताप सिंह, सूर्यांश व कर्मचारी गण उपस्थित रहे द्य शिविर में बीमित व्यक्ति और महिलाओं को हित लाभों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी तथा बीमितों की समस्याओं व जिज्ञासाओं का त्वरित निस्तारण किया गया द्य डॉ तराना हाशिम व डॉ राकेश चक्रवर्ती की टीम द्वारा कर्मचारियों का ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, वजन, तापमान एवं पल्स रेट की जांच की गई और संबंधित कर्मचारियों को उचित परामर्श दिया गया ।

रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ द्वारा कंबल वितरण अभियान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ ने इस वर्ष भी हर साल की तरह शीत लहर में विभिन्न स्थानों में कंबल वितरण किया। इसी कड़ी में "सामर्थ फाउंडेशन संस्था" जो की डॉ दिव्या शुक्ला द्वारा संचालित है जिसने विभिन्न स्थानों से आये हुआ लेबरर्स के बच्चो को निशुल्क ट्यूशन दी जाती है, में रोटरी क्लब के सदस्यों द्वारा कंबल, बच्चो का पढाई का सामान जैसे – रजिस्टर्स, कलरिंग बक्स, कलर पेन्सिल्स, इरेजर, शार्पनर, स्केल्स, पेन , पेन्सिल्स इत्यादि सामान व खाद्य सामग्री – ज्यूसेस, बिस्किट्स, चिप्स व फलों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर प्रेसिडेंट संगीता मितल, प्रवीण मितल, नरेश अग्रवाल, सुभाष चंद्र विद्यार्थी, वाई के गोयल व अंजना अग्रवाल और वाईस प्रेसिडेंट शिव बालक प्रसाद भी उपास्थित थे।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।